A Daily News Magazine
इंदौर
रविवार, 10 अगस्त, 2025

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 302, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

लाड़लियों को झूला झुलाते मोहन...

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आगर मालवा में आयोजित रक्षाबंधन पर्व कार्यक्रम में लाड़ली बहनों को झूला झुलाया।

देश भर में धूमधाम से मना रक्षाबंधन का पर्व

● महाकाल और बाबा विश्वनाथ को बांधी गई राखी ● पीएम मोदी ने बच्चों से बंधवाई राखी ,दिया तोहफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में शनिवार को रक्षाबंधन का त्योहार मनाया गया। उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में महाकाल को राखी बांधी गई। अमर पुजारी के परिवार की महिलाओं द्वारा तैयार की गई खास राखी उन्हें अर्पित की गई है। महाकाल को जो राखी बांधी गई है उसमें मखमल का कपड़ा, रेशमी धागा और मोती का उपयोग हुआ है। राखी पर भगवान गणेश जी विराजित हैं। महाकाल को जो राखी बांधी गई है उसमें मखमल का कपड़ा,

रेशमी धागा और मोती का उपयोग हुआ है। राखी पर भगवान गणेश जी विराजित हैं। शनिवार को सबसे पहले तड़के 3 बजे भस्म आरती के लिए पट खोले गए। इसके बाद पंचामृत से अभिषेक किया गया। भस्म आरती के दौरान ही उन्हें विशेष श्रृंगार के साथ राखी अर्पित की गई। भगवान महाकाल को राखी बांधने बाद भस्मारती के दौरान ही सवा लाख लड्डुओं का महाभोग लगाया गया। इस महाभोग की तैयारी पिछले चार दिनों से चल रही है। मंगलवार से ही मंदिर में पुजारी कक्ष के पीछे भट्‌टी पूजन के साथ लड्‌डू बनाना शुरू हो गया था।

राखियों से भरी कलाई, पीएम की बच्चों संग जमकर मस्ती

प्रधानमंत्री आवास में कई स्कूली बच्चियों ने पीएम मोदी की कलाई पर राखी बांधी। इस दौरान पीएम मोदी भी बच्चियों के साथ खेलते दिखाई दिए। रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी देशवासियों को इस पावन पर्व की शुभकामनाएं भी दी हैं। रक्षाबंधन के अवसर पर पीएम आवास में नन्हीं परियों की भीड़ देखी जा सकती है। इस शुभ अवसर पर पीएम मोदी ने न सिर्फ बच्चियों से राखी बंधवाई बल्कि उनके साथ खूब मस्ती भी की। बच्चों के चेहरे की हंसी बता रही है कि पीएम मोदी की कंपनी उन्हें भी काफी पसंद आई। बता दें कि पीएम मोदी ने आज सुबह ही रक्षाबंधन की बधाई दी थी।

अमित अब नहीं है, राखी बांधकर उसे याद करती हूं

शामली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के शामली में एक बहन ने अपने शहीद भाई की प्रतिमा की कलाई पर राखी बांधकर उसे याद किया। यह भावुक दृश्य देखकर वहां मौजूद हर किसी की आंखें नम हो गई। यह मार्मिक घटना शामली

के मोहल्ला रेलपार की है। यहां के वीर सपूत अमित कोरी 14 फरवरी 2019 को पुलवामा में हुए आतंकी हमले में शहीद हो गए थे। सीआरपीएफ की टुकड़ी पर हुए इस हमले में देश के 40 जवानों ने अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे, जिनमें शामली के दो सपूत भी थे।

जिनपिंग के देश में प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत है

बीजिंग (एजेंसी)। चीन ने कहा है कि वह भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तियानजिन में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के लिए स्वागत करता है। यह पहला मौका होगा जब पीएम मोदी गलवान घाटी में 2020 की झड़प के बाद चीन की यात्रा करेंगे। चीन से पहले पीएम मोदी 30 अगस्त को जापान पहुंचेंगे। यहां वो भारत-जापान शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। मोदी इससे

पहले 2018 में वहां गए थे। बतौर प्रधानमंत्री पीएम मोदी का यह छठा चीन दौरा होगा, जो 70 सालों में किसी भी भारतीय पीएम की सबसे ज्यादा चीन यात्रा है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि, 31 अगस्त से 1 सितंबर तक होने वाले इस शिखर सम्मेलन में 20 से अधिक देशों के नेता और 10 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख शामिल होंगे।

भाई-बहन का स्नेहिल बन्धन शाश्वत है और रहेगा : मुख्यमंत्री

दीपावली की भाईदूज से लाड़ली बहनों को हर माह दिये जायेंगे 1500 रूपये

भोपाल/आगर-मालवा (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश की सभी बहनें हमारा मान हैं, सम्मान हैं, अभिमान हैं। बहनों के बिना यह संसार सूना है। उन्होंने कहा कि जीवन तो नश्वर है, पर भाई-बहन का ये स्नेहिल रिश्ता शाश्वत है और आगे भी रहेगा। जब तक संसार है, यह अनमोल और अटूट रिश्ता भी अजर-अमर ही रहेगा। उन्होंने कहा कि हमने बहनों को उनका हर वाजिब हक दिलाया है। बहनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए हमारी सरकार पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सबकी राखी स्वीकार की और कहा कि आप सबके आशीर्वाद से ही मुझे प्रदेश के विकास के लिए प्राण-प्रण से जुटे रहने की असीम ऊर्जा मिलती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को आगर मालवा जिले के बाबा बैजनाथ महादेव धाम में श्रावण पर्व के अवसर पर आयोजित भव्य रक्षाबंधन कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने बहनों और दिव्यांगजनों के प्रति गहरा स्नेह, सम्मान और इनके प्रति अपनी संवेदनशीलता व्यक्त की। उन्होंने दिव्यांगजनों को उनकी जरूरत के अनुसार सहायक उपकरण भी वितरित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी बहनों से राखी बंधवाई, उन्हें मिठाई खिलाई, उपहार दिए, सावन के झूले में झूलाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी प्रदेशवासियों को श्रावण एवं रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में देवी अहिल्या नारी शक्ति कल्याण मिशन चलाया जा रहा है। इस मिशन के जरिए महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में हमारी सरकार मिशन मोड पर तेजी से काम कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे दिव्यांगजन परमात्मा के दिव्य अंश हैं। इन्हें परमेश्वर ने विशेष शक्तियों से नवाजा है। इन्हें सिर्फ़ प्रोत्साहन की जरुरत है और हमारी सरकार हर कदम पर इनके साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों को शैक्षणिक मदद, पेंशन राशि या शासकीय सेवा में आरक्षण देने की बात हो, हमारी सरकार ने इनके समग्र कल्याण के लिए सभी पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किए हैं।

सुप्रभात

किसी की आँख पुरनम है,
मुहब्बत हो गई होगी
ज़ुबाँ पे क़िस्सा-ए-ग़म है,
मुहब्बत हो गई होगी
कभी हँसना, कभी रोना,
कभी हँस हँस के रो देना
अजब दिल का ये आलम है,
मुहब्बत हो गई होगी
किसी को सामने पा कर,
किसी के सुर्ख़ होंटों पर
अनोखा सा तबस्सुम है,
मुहब्बत हो गई होगी
जहाँ वीरान राहें थीं,
जहाँ हैरान आँखें थीं
वहाँ फूलों का मौसम है,
मुहब्बत हो गई होगी
हर एक सिलवट पे बिस्तर की,
किसी का नाम लिक्खा है
दिए की लौ मद्धम है,
मुहब्बत हो गई होगी।

– उमेरा अहमद

दिल्ली में 'मौत' वाली बारिश, 8 की गई जान

● भारी बारिश से जैतपुर इलाके में गिर गई दीवार ● 9 में से 8 लोगों की मौत, 1 की हालत नाजुक

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में बारिश के दौरान शनिवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां जैतपुर में दीवार गिरने से 9 लोग दब गए। घायल लोगों को इलाज के लिए सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया। यहां डॉक्टरों ने 9 में 8 लोगों को मृत घोषित कर दिया। मरने वालों में तीन पुरुष, दो महिलाएं और दो बच्चियां शामिल हैं। एडिशनल डीसीपी साउथ ईस्ट ऐश्वर्या शर्मा ने बताया कि यहां एक पुराना मंदिर है और उसके बगल में पुरानी झुग्गियां हैं, जिसमें कबाड़ी रहते हैं। रात भर हुई भारी बारिश के कारण दीवार गिर गई। 9 लोग मलबे में दब गए। उन्हें बचाकर अस्पताल ले जाया गया लेकिन इनमें से 8 लोगों की मौत हो गई है और केवल 1 की जान

बची है, लेकिन उसकी भी हालत नाजुक है। राजधानी दिल्ली में शनिवार सुबह हुई बारिश के चलते कई मोहल्ले में जलभराव और लंबे ट्रैफिक जाम से लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त रहा। रक्षाबंधन पर भाई-बहनों की भी परेशानी बढ़ गई। कई इलाकों में लंबे ट्रैफिक जाम आने से शहर थम सा गया। आईटीओ, लक्ष्मी नगर, कनॉट प्लेस लेकर कई इलाकों में घुटने भर पानी भर गया।

रेल कोच इकाई से राजधानी के निकट होगी अधोसंरचना सशक्त : डॉ. यादव

केन्दीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे भूमिपूजन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर प्रदेश को रेल कोच इकाई की बड़ी सौगात प्राप्त हो रही है। परियोजना का भूमि-पूजन केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह 10 अगस्त को औबेदुल्लागंज के दशहरा मैदान में करेंगे। कार्यक्रम में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, रक्षा उत्पाद सचिव श्री संजीव कुमार, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष श्री सतीश कुमार, भारत अर्थ मूवर्स परियोजना के अध्यक्ष श्री शांतनु राय शामिल हो रहे हैं। इस अवसर पर बीईएलएल (भारत अर्थ मूवर्स लि) परियोजना पर केन्द्रित लघु फिल्म, प्रस्तावित प्लांट का 3डी वॉक थ्रू और नए संयंत्रों के मॉडल प्रदर्शित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया है कि भारत अर्थ मूवर्स परियोजना द्वारा भोपाल जिले की सीमा के पास रायसेन के ग्राम उमरिया में 60 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर 1800 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाली ब्रह्मा परियोजना (बीईएमएल रेल हब फॉर मैन्युफैक्चरिंग) से राजधानी भोपाल सहित रायसेन, सीहोर और विदिशा आदि जिलों को लाभ होगा।

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

ऑपरेशन सिंदूर में हमने पाकिस्तान के 5 जेट मार गिराए

● एयरफोर्स चीफ बोले-सर्विलांस एयरक्राफ्ट को भी तबाह किया

एपी सिंह ने कहा-एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम गेम-चेंजर रहे

बेंगलुरु (एजेंसी)। एयर फोर्स चीफ एपी सिंह ने शनिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के 5 लड़ाकू विमान गिराए गए थे। इसके अलावा एक सर्विलांस एयरक्राफ्ट को लगभग 300 किलोमीटर की दूरी से मार गिराया। यह सतह से हवा में टारगेट हिटिंग का अभी तक का रिकॉर्ड है। एपी सिंह बेंगलुरु के आईआईटी मैनेजमेंट अकादमी ऑडिटोरियम में एयर चीफ मार्शल एलएम कात्रे मेमोरियल लेक्चर के 16वें सीजन को संबोधित कर रहे थे।

इस दौरान उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे एयर डिफेंस सिस्टम ने शानदार काम किया, पाकिस्तान हमारा एयर डिफेंस सिस्टम नहीं भेद पाया। उन्होंने कहा, एयर फोर्स चीफ ने आगे कहा कि पाकिस्तान के बहावलपुर में हमले के पहले और बाद की तस्वीरें सबके सामने हैं। वहां कुछ नहीं बचा था। ये तस्वीरें न सिर्फ सैटेलाइट से ली गईं। बल्कि लोकल मीडिया ने भी तबाह हुई बिल्डिंग की अंदर की तस्वीरें दिखाई थीं।

● **सेना को खुली छूट दी गई थी–** सफलता का एक प्रमुख कारण राजनीतिक इच्छाशक्ति का होना था। हमें बहुत स्पष्ट निर्देश दिए गए थे। हमें खुली छूट थी। हमने तय किया कि कितना आगे बढ़ना है। हमें योजना बनाने और उसे लागू करने की पूरी आजादी थी। तीनों सेनाओं के बीच कोऑर्डिनेशन था। सीडीएस के पद ने वास्तव में अंतर पैदा किया। वह हमें एकसाथ लाने के लिए मौजूद थे। यह एक उच्च तकनीक वाला युद्ध था। 80 से 90 घंटे के युद्ध में हम इतना नुकसान कर पाए कि उन्हें (पाकिस्तान) साफ पता चल गया था कि अगर वे इसे जारी रखेंगे तो उन्हें इसकी और भी अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी इसलिए वे आगे आए और हमारे डीजीएमओ को संदेश भेजा कि वे बात करना चाहते हैं। हमारी ओर से इसे स्वीकार कर लिया गया। 2019 में जब बालाकोट में हमने एयर स्ट्राइक की तो उसके सबूत नहीं जुटा पाए। लोगों ने सवाल उठाए कि हमने क्या किया या क्या नहीं किया। इसलिए मुझे बहुत खुशी है कि इस बार हम बालाकोट के उस भूत से निपटने में सक्षम थे और हम दुनिया को यह बताने में सक्षम थे कि हमने क्या हासिल किया है। इस युद्ध में लोग अपने अहंकार पर उतर आए।

आईजी पिता ने किया सस्पेंड वकील बेटी ने दिलाया इंसाफ

● केस लड़कर दिलवाई नौकरी, कानूनी जंग में रिश्तों की चर्चा

बरेली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बरेली से जुड़ा एक मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। यहां चलती ट्रेन में एक छात्रा से छेड़खानी के आरोप में जीआरपी के कांस्टेबल तौफीक अहमद को तत्कालीन आईजी डॉ. राकेश सिंह ने नौकरी से निकाल दिया था लेकिन बाद में आईजी राकेश सिंह की बेटी और पेशे से वकील अनुरा सिंह ने ही तौफीक का केस लड़ा और उसे वापस नौकरी दिलवा दी। सब लोग यही चर्चा कर रहे हैं कि पिता ने सस्पेंड किया और बेटी ने वापस नौकरी दिलवाई। हालांकि, छेड़खानी का मुकदमा कोर्ट में चलता रहेगा। जीआरपी कॉन्सटेबल पर आरोप का मामला 13 जनवरी, 2023 का है।

धर्मस्थल का राज गहराया 13वीं जगह की जांच टली

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के प्रसिद्ध धर्मस्थल में कथित गुप्त दफन मामले की जांच में एक नया मोड़ आया है। विशेष जांच दल ने गुरुवार को व्हिसलब्लोअर यानी मुखबिर द्वारा बताए गए 13वें स्थल पर खुदाई करने की योजना बनाई थी। लेकिन इसे टाल दिया गया। इसी जगह पर सबसे अधिक शवों को गुप्त रूप से दफनाए जाने का दावा किया गया है। यह स्थल नेत्रावती नदी के पास स्थित स्नान घाट के बगल में है। उम्मीद थी कि एसआईटी गुरुवार को इस जगह की खुदाई करेगी, लेकिन बुधवार को यूट्यूबर्स और कुछ स्थानीय निवासियों के बीच हुए टकराव के बाद तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए जांच टाल दी गई। पिछले मंगलवार से अब तक टीएम ने आठ दिनों की जांच में दो कंकालों के अवशेष बरामद किए हैं। अब यह अंतिम 13वां स्थान बचा है, जहां अधिक शवों के होने की संभावना है।

200 हल्के हेलीकॉप्टरों की जल्द ही होगी खरीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्रालय ने पुराने चेतक और चीता हेलीकॉप्टरों को बदलने का फैसला लिया है। इसके लिए लगभग 200 आधुनिक हल्के हेलीकॉप्टर खरीदने की तैयारी है, जिन्हें रिकॉनिसन्स एंड सर्विलांस हेलीकॉप्टर कहा जाता है। ये हेलीकॉप्टर भारतीय सेना और वायुसेना दोनों के लिए होंगे, जिसमें सेना को 120 और वायुसेना को 80 हेलीकॉप्टर सौंपे जाएंगे। मंत्रालय ने इसके लिए रिक्वेस्ट फॉर इन्फॉर्मेशन जारी किया है, ताकि तकनीकी जरूरतों को अंतिम रूप दिया जाए, खरीद का तरीका तय हो और भारतीय कंपनियों सहित संभावित आपूर्तिकर्ताओं की पहचान की जाए, जो विदेशी निर्माताओं के साथ मिलकर ये हेलीकॉप्टर बना सकें। रिपोर्ट के मुताबिक, ये हेलीकॉप्टर दिन–रात कई तरह के काम करेंगे। जैसे कि टोही और निगरानी, छोटी सैन्य टुकड़ियों या विशेष मिशन के लिए क्विक रिएक्शन टीमें ले जाना आदि शामिल है।

ऑपरेशन अखल में पंजाब के दो जवान हो गए शहीद

खन्ना (एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर में कुलगाम जिले के अखल जंगल में आतंकियों से चल रही मुठभेड़ में पंजाब के दो जवान शहीद हो गए। फतेहगढ़ साहिब लोकसभा क्षेत्र के गांव बदीनपुर के 26 वर्षीय सिपाही हरमिंदर सिंह और खन्ना के गांव मानूपुर के 28 वर्षीय लांस नायक प्रीतपाल सिंह ने देश के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। रक्षाबंधन से ठीक पहले आई इस खबर ने दोनों परिवारों में मातम का माहौल है। प्रीतपाल सिंह की शादी को अभी सिर्फ 4 महीने ही हुए थे। परिवार राखी पर घर में खुशियां मनाने की उम्मीद कर रहा था। वहीं, हरमिंदर सिंह की मां और बहनें उनकी सुरक्षित वापसी का इंतजार कर रही थीं, लेकिन उनके शहीद होने की खबर पहुंची। बता दें कि जम्मू–कश्मीर के कुलगाम जिले में ऑपरेशन अखल को स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप, जम्मू–कश्मीर पुलिस, सेना और सीआरपीएफ अंजाम दे रहे हैं। यह 1 अगस्त से चल रहा है। जंगल में अभी और आतंकियों के छिपे होने की आशंका है।

राहुल गांधी की अर्बन नक्सलाइट मानसिकता: सीएम

विधानसभा चुनाव में वोट चोरी का आरोप लगाया था; सिंधिया ने भी दिया जवाब

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में 2023 के विधानसभा चुनाव में 'वोट चोरी' और 'चुनाव आयोग की निष्पक्षता' पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा दिए गए बयान के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। राहुल गांधी ने हाल ही में एक जनसभा में यह आरोप लगाया कि एमपी में चुनाव निष्पक्ष नहीं हुए और वोट चोरी की घटनाएं हुईं। इस पर भाजपा नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि,राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सार्वजनिक रूप से सवाल उठाना उनकी 'अर्बन नक्सलाइट' मानसिकता को दर्शाता है। उनके इस तरह के अशोभनीय बयानों से नेता प्रतिपक्ष की गरिमा धूमिल हो रही है। उन्हें इसके लिए देश से माफी मांगनी चाहिए।

वहीं, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी राहुल गांधी पर हमला बोला। उन्होंने कहा, जिस कांग्रेस पार्टी का स्वयं का वोट बैंक दिवालिया हो चुका है, वही अब दूसरों पर वोट चोरी का आरोप लगा रही है।

बीजेपी नेताओं की प्रतिक्रिया के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि बीजेपी को डर है कि अगर यह सच्चाई जनता के सामने आ गई, तो उनकी पूरी कहानी बेनकाब हो जाएगी।

भोपाल आए थे सिंधिया, चर्चा में कहा– भोपाल प्रवास के दौरान मीडिया से बातचीत में सिंधिया ने कहा जिन लोगों ने भारत को मृत रूप में देखा है, चाहे वो भारत की अर्थव्यवस्था हो, न्यायपालिका हो, सेना का सम्मान हो या फिर चुनाव आयोग की निष्पक्षता वे बार-बार इन संस्थाओं को अपमानित करते आए हैं। चुनाव आयोग एक स्वायत्त संवैधानिक संस्था है, जो पारदर्शिता और निष्पक्षता के आधार पर कार्य करती है। यह संस्था हर राज्य और देशभर में फेयर और फ्री इलेक्शन सुनिश्चित करती है।

सेना और न्यायपालिका पर भी किया कटाक्ष– सिंधिया ने कहा, कांग्रेस का रवैया हमेशा से ही संस्थाओं के प्रति अविश्वास का रहा है। अगर सेना कोई वीरता का कार्य करती है तो वे सबूत मांगते हैं। न्यायपालिका पर आरोप लगाते हैं, प्रधानमंत्री को नीचा दिखाने का प्रयास करते हैं। अब चुनाव आयोग को भी बदनाम करने में लगे हैं। यह जनता सब देख रही है और उचित समय पर जवाब देगी।

जीतू पटवारी बोले– बीजेपी नेताओं में बौखलाहट– मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा फर्जी वोटिंग को लेकर किए गए सनसनीखेज खुलासे के बाद बीजेपी और उसके नेताओं की बौखलाहट अब उनके बयानों में साफ झलक रही है।

पटवारी ने कहा कि राहुल गांधी ने स्पष्ट रूप से बताया कि किस तरह चुनावी प्रक्रिया में सुनियोजित तरीके से धांधली कर लोकतंत्र को कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने अलोकतांत्रिक और पक्षपातपूर्ण रवैये का गंभीर आरोप लगाया है। यह सिर्फ कांग्रेस या विपक्ष का मुद्दा नहीं है, बल्कि देश के हर उस नागरिक का मुद्दा है जो अपने वोट की ताकत और लोकतांत्रिक अधिकारों में विश्वास रखता है।

फर्जी वोटों से मिली बीजेपी को जीत

पटवारी ने बताया कि राहुल गांधी के प्रस्तुत किए गए तथ्यों और सबूतों से यह स्पष्ट हुआ है कि कर्नाटक की महादेवपुरा विधानसभा सीट पर एक लाख से अधिक फर्जी मतदाता जोड़े गए, जिनकी वजह से बीजेपी को जीत मिली। हरियाणा विधानसभा चुनाव में बीजेपी को पूरे प्रदेश में कांग्रेस से केवल 22,000 वोट अधिक मिले, जबकि एक सीट पर ही 1 लाख फर्जी वोट जोड़े जाने का खुलासा हुआ।महाराष्ट्र में केवल पांच महीनों के भीतर एक करोड़ से अधिक मतदाता बढ़ा दिए गए, जो राज्य की वयस्क आबादी से भी अधिक थे।मध्य प्रदेश में पोस्टल बैलेट में हार के बावजूद ईवीएम से बीजेपी की जीत दर्ज हुई।

बीजेपी को जनता के सामने बेनकाब होने का डर

पटवारी ने कहा कि इन खुलासों से यह साफ होता है कि संवैधानिक और चुनावी संस्थाओं में बीजेपी का गहरा हस्तक्षेप है। बीजेपी के नेता मुद्दे पर जवाब देने के बजाय बेतुके बयान देकर ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। उनके हालिया बयान इस बात का प्रमाण हैं कि सच ने उन्हें असहज कर दिया है। पटवारी ने चुनाव आयोग पर भी गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि आयोग का कर्तव्य लोकतंत्र की रक्षा करना था, लेकिन उसने स्वयं को सत्ताधारी दल का उपकरण बना लिया है। विपक्ष के नेता द्वारा सबूतों के साथ धांधली उजागर किए जाने के बावजूद आयोग जांच करने की बजाय वोटर लिस्ट तक उपलब्ध कराने से इनकार कर रहा है। यह रवैया लोकतंत्र के लिए अत्यंत खतरनाक है।

कमलनाथ बोले- 2018 इलेक्शन में आयोग ने मानी थी गलती

चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल के बाद पूर्व मुख्यमंत्री का ट्वीट

चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर राहुल गांधी द्वारा सवाल उठाए जाने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने एमपी में 2018 के विधानसभा चुनाव के दौरान मतदाता सूची में गड़बड़ी को लेकर चुनाव आयोग की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। कमलनाथ ने इसको लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्वीट कर कहा है कि उनके द्वारा मतदाता सूची में की गई गड़बड़ को लेकर शिकायत किए जाने के बाद चुनाव आयोग के इन विसंगतियों को स्वीकार किया गया था और सूची से नाम हटाने या सुधार संबंधी कार्रवाई करने पर सहमति जताई थी।

एक्स पर कमलनाथ ने लिखा है कि राहुल गांधी के निष्कर्षों से मतदाता सूची के रखरखाव में गड़बड़ी का एक व्यवस्थित पैटर्न सामने आया है। इसके बाद उनके द्वारा वर्ष 2018 के चुनाव में मतदाता सूची भारी गड़बड़ी को लेकर उठाए गए मुद्दे और गंभीर हो गए हैं और हेरफेर का एक नया स्तर दिख रहा है। नाथ ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट में अपने इस आश्वासन के बावजूद कि चुनाव आयोग इन विसंगतियों को दूर करने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा, चुनाव आयोग अपने हलफनामे से पीछे हटता जा रहा है और मतदाता सूची में जानबूझकर हेराफेरी किए जाने से इनकार कर रहा है नाथ ने लिखा है कि शिकायत के बाद आयोग ने 9664 इंट्रा-एसी रिपीट प्रविष्टियां, 8278 इंटर-एसी रिपीट प्रविष्टियां और 2,37,234 संदिग्ध तस्वीरें होने की बात भी स्वीकार की थी और 24 लाख संदिग्ध मतदाताओं को हटाने का दावा किया था।

दुनिया अर्थव्यवस्था नहीं भारतीय अध्यात्म को महत्व देती है

● भागवत बोले-इसलिए हम विश्वगुरु, दुनिया हमें कर रही नमस्कार ● इकोनॉमी 3 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा भी हो जाए तो आश्चर्य नहीं

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को नागपुर में कहा- दुनिया भारत को उसके अध्यात्म (आध्यात्मिक ज्ञान) के लिए महत्व देती है। इसी वजह से हमें विश्वगुरु मानती है। दुनिया को इस बात से मतलब नहीं है कि हमारी अर्थव्यवस्था कितनी तेजी से बढ़ रही है। भागवत ने आगे कहा- भले ही हमारी इकोनॉमी 3 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा हो जाए, तब भी दुनिया को उसका आश्चर्य नहीं होगा। कई देश ऐसा कर चुके हैं। अमेरिका अमीर है, चीन भी अमीर बना है और कई अमीर देश हैं। कई चीजें हैं जो दूसरे देशों ने की हैं और हम भी करेंगे। आरएसएस चीफ ने कहा कि दुनिया के पास अध्यात्म और धर्म नहीं है जो हमारे पास है। दुनिया हमारे यहां इसके लिए आती है। इसमें जब हम बड़े बनते हैं तो सारी दुनिया हमको नमस्कार करती है और विश्वगुरु मानती है। मोहन भागवत ने इकोनॉमी को लेकर ये बातें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के भारत पर 25 फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने के ऐलान के 2 दिन बाद कही हैं। ट्रम्प ने टैरिफ से जुड़े एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन किए। अब भारत पर कुल 50 फीसदी टैरिफ लगेगा। भारत की अध्यात्म में उन्नति तब होगी, जब हम केवल त्योहार मनाने या पूजा करने तक सीमित न रहें। हमारा जीवन भगवान शिव की तरह निडर हो। उन्होंने अपने गले में सांप धारण कर लिया था। भारत की महानता अच्छाई सभी को बांटने में है। हमारे पास जो अच्छाई है, उसे सभी के साथ साझा करना चाहिए। बुराई थोड़ी-बहुत होती है। उसे फैलाना नहीं चाहिए, बल्कि खुद में समेटकर खत्म करना चाहिए। अच्छाई को हमेशा बांटना चाहिए। संघ चीफ ने 6 अगस्त को नागपुर में ही कहा था- दुनिया को उस धर्म की जरूरत है जो विविधताओं को अपनाए, जैसे कि हिंदू धर्म। उन्होंने कहा कि धर्म हमें अपनापन और विविधताओं को स्वीकार करना सिखाता है।

पुलिस को इतना मारेंगे, ममता के आंचल में छिपना पड़ेगा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में पुलिस ने भाजपा के नाबन्ना अभियान रैली पर लाठी चार्ज कर दिया। इससे भाजपा नेता भड़क उठे हैं। भाजपा नेता अशोक डिंडा ने कहा कि अब वह दिन दूर नहीं है जब पुलिस की भी पिटाई होगी। इन लोगों की बहुत धुलाई होने वाली है। उन्होंने कहा कि हमें बस एक बार भाजपा से इसके लिए आदेश मिल जाए। हम पुलिसवालों को इतना मारेंगे कि उन्हें ममता बनर्जी के आंचल में जाकर छिपना पड़ेगा। गौरतलब है कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल बलात्कार-हत्याकांड के एक साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 'नबन्ना अभियान' रैली का आयोजन किया गया है। नाबन्ना अभियान रैली के दौरान भाजपा विधायक अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि ममता बनर्जी डर गई हैं। इसलिए पुलिस द्वारा जनता पर लाठीचार्ज करवा रही हैं। कोर्ट के आदेश से हम यहां रैली कर रहे हैं। हम सब पर हमला हुआ है जनता इसका जवाब 2026 में देगी। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी डर गई हैं...आज अभया को एक साल हो गया है, लेकिन न्याय नहीं मिला है।

उत्तराखंड के हर्षिल में बादल फटने से बनी झील

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में 5 अगस्त को बादल फटने के बाद हर्षिल में आई बाढ़ से यहां एक झील बन गई है। वहीं धराली गांव में मलबे में दबे लोगों को खोजने का काम शुरू हो गया है। इसके लिए सेना एडवांस पेनिट्रेटिंग रडार का इस्तेमाल कर रही है। इससे खुदाई किए बगैर ही जमीन में दबे लोगों का पता लगाया जा सकता है। पेनिट्रेटिंग रडार जमीन के नीचे एक हाई फ्रीक्वेंसी रेडियो तरंग भेजता है, जहां यह मिटटी, पत्थर, धातु और हड्डियों को अलग-अलग रंगों के जरिए बताता है।

तालिबान ने स्कूल छीने तो बेटियों ने लैपटॉप पर बना ली 'यूनिवर्सिटी'

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान में तालिबान ने लड़कियों के स्कूल जाने पर पाबंदी लगा दी, तो कई लड़कियों की दुनिया जैसे थम सी गई। लेकिन कुछ ने हार नहीं मानी और पढ़ाई जारी रखने के लिए तकनीक का सहारा लिया। इन्हीं में से एक हैं 24 साल की सोदाबा जो फार्माकोलॉजी की स्टूडेंट थीं। 2021 में तालिबान के आने के बाद महिलाओं के पार्क, जिम जाने और ज्यादातर नौकरियां करने पर रोक लगा दी गई, लेकिन सबसे बड़ा झटका था पढ़ाई पर लगी पाबंदी। निराश होने के बजाय सोदाबा ने एक रास्ता खोज निकाला। उन्हें अपनी ही भाषा 'दारी' में एक फ्री ऑनलाइन कंप्यूटर कोडिंग कोर्स के बारे में पता चला। यह कोर्स एक अफगान रिफ्यूजी चला रहा था, जो उस वक्त ग्रीस में था। सोदाबा का मानना है कि हालात के आगे झुकने की बजाय सपनों को पूरा करने का हर संभव प्रयास करना चाहिए। कोडिंग सीखने और वेबसाइट बनाने से उनका खोया हुआ आत्मविश्वास फिर लौट आया। इस कोर्स को अफगान गीक्स नाम की एक संस्था चलाती है।

संक्षिप्त समाचार

पीएम मित्रा पार्क से विस्थापित ग्रामीणों का पुनर्वास, कलेक्टर ने लिया निर्माण कार्यों का जायजा

धार (निप्र)। पीएम मित्रा पार्क से विस्थापित होने वाले ग्रामीणों के पुनर्वास के क्रम में कलेक्टर श्प्रियंक मिश्रा ने आज भैसोला में एमपीआईडीसी द्वारा बनाए जा रहे पुनर्वास स्थल का निरीक्षण किया। 89 मकानों का निर्माण, गुणवत्ता पर विशेष जोर एमपीआईडीसी के कार्यपालन निदेशक हिमांशु प्रजापति ने कलेक्टर को बताया कि भैसोला में कुल 89 मकानों के निर्माण की योजना बनाई गई है। इस दौरान कलेक्टर श्री मिश्रा ने स्पष्ट निर्देश दिए कि मकानों की गुणवत्ता ÷टॉप क्लास÷ होनी चाहिए, ताकि विस्थापित ग्रामीण यह महसूस कर सकें कि उन्हें पहले से बेहतर सुविधा और वातावरण दिया गया है। सड़क, बिजली, पानी और स्वच्छता पर विशेष ध्यान निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए कि पुनर्वास स्थल पर सड़क, बिजली, पानी और साफ-सफाई जैसी बुनियादी सुविधाएं पूरी तरह सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने सुझाव दिया कि यहां बसाए जा रहे लोगों के लिए एक सोसाइटी बनाई जा सकती है, जिससे सामुदायिक भावना को बढ़ावा मिले और व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित रहें। वोटर आईडी और आबादी क्षेत्र की स्थिति की भी ली जानकारी कलेक्टर शि मिश्रा ने यहां बसने वाले लोगों के वोटर आईडी और इस क्षेत्र को विधिवत आबादी घोषित किए जाने की प्रक्रिया की जानकारी भी अधिकारियों से ली। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि दस्तावेजी प्रक्रिया समयबद्ध ढंग से पूरी की जाए, ताकि विस्थापितों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री दीपक चौहान भी कलेक्टर के साथ उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री के प्रस्तावित दौरे की तैयारी शुरू,कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने लिया पीएम मित्रा पार्क का जायजा

धार (निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आगामी 25 अगस्त को धार जिले में प्रतावित आगमन की तैयारियाँ तेज हो गई हैं। इसी क्रम में आज कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा ने बदनावर के भैसोला में पीएम मित्रा पार्क का निरीक्षण किया और मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।एमपीआईडीसी के ईडी श्री हिमांशु प्रजापति,एसडीएम श्री दीपक चौहान सहित संबंधित अधिकारी मौजूद थे। हेलिपैड और सभा स्थल का निरीक्षण कलेक्टर श्री मिश्रा ने प्रस्तावित हेलिपैड स्थल, जनसभा स्थल, पार्किंग व्यवस्था और पहुंच मार्गों का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने सभी व्यवस्थाओं को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए और विशेष रूप से सुरक्षा मानकों, ट्रैफिक व्यवस्था तथा जनसुविधाओं का ध्यान रखने को कहा। प्रशासनिक अमले को दिए स्पष्ट निर्देश निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों से समन्वय बनाकर कार्य करने को कहा, जिससे प्रधानमंत्री के संभावित दौरे के दौरान किसी को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि पार्किंग और सभा स्थल तक आमजन की सुगम पहुंच सुनिश्चित हो।प्रधानमंत्री जी का यह दौरा धार जिले के लिए विशेष महत्व का है, विशेषकर पीएम मित्रा पार्क जैसे मेगा प्रोजेक्ट के संदर्भ में, जो जिले के औद्योगिक विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

जिले में मावे व मिठाई की गुणवत्ता पर रखी जा रही है कड़ी निगरानी

इन्दौर (निप्र)। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में एवं अपर कलेक्टर श्री गौरव बैनल के मार्गदर्शन में रक्षाबंधन पर्व को दृष्टिगत रखते हुए खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। गुप्त सूचना के आधार पर एक वाहन से मावा के परिवहन की जानकारी मिलने पर खाद्य विभाग की टीम द्वारा प्रभावी कार्रवाई की गई। वाहन चालक भारत सिंह द्वारा बताया गया कि मावा निलेश पाटीदार (नवीन मिल्क प्रोडक्ट्स , देवास) का है। मौके से 40 किलोग्राम मावा एवं 480 किलोग्राम मिल्क केक जब्त किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 1 लाख 56 हजार रूपये है। साथ ही मावा एवं मिल्क केक के नमूने लिए गए। इसी तरह खाद्य सुरक्षा प्रशासन टीम द्वारा शहर के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों से नमूने संग्रहित किये गये। टीम द्वारा मौसा जलेबी भंडार, कालानी नगर, एयरपोर्ट रोड से गुपचुप मिठाई, जलेबी एवं रिफाइंड सोयाबीन (यूज़्ड कुकिंग ऑइल) के कुल 03 नमूने लिए गए। शर्मा स्वीट्स एण्ड नमकीन, कनाड़िया रोड से मावा पेड़ा का 01 नमूना, अन्नड़ा रेस्टॉरेंट कनाड़िया रोड से मिल्क केक, ड्रायफ्रूट लड्डू व गुपचुप के कुल 03 नमूने, सरिता दूध दही भंडार, गोपाल डेरी, अमृत डेरी तथा चंचल डेरी से दूध, मावा व लड्डू के कुल 04 नमूने लिये गये। गत दिवस जप्त किए गए मावे के संदर्भ में आज तीन मावा विक्रेता प्रशासन के समक्ष उपस्थित हुए। रतनलाल मावा भंडार से 05 नमूने, हरिनारायण शर्मा मावा विक्रेता से 01 नमूना तथा न्यू शर्मा मावा भंडार से 06 नमूने लिये गये। खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा निरीक्षण के दौरान यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि रक्षाबंधन पर्व पर आमजन को केवल शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री ही उपलब्ध हो।

विधानसभा-1 में हुआ भव्य रक्षाबंधन का कार्यक्रम

हजारों की संख्या में महिलाओं ने बांधी मंत्री विजयवर्गीय की कलाई पर विश्वास की डोर राखी

इन्दौर (निप्र)। रक्षाबंधन महोत्सव के इस पावन पर्व पर मेरा माताओं-बहनों से निवेदन है कि वे अपने बच्चों को संस्कार दे। बच्चों को समाज में फैल रही विकृतियों से दूर रखें, जिससे वे विधर्मियों द्वारा फैलाये जा रहे लव जिहाद के दुष्चक्र से दूर रहें। क्योंकि आपके आज के संस्कार ही उनके कल को बेहतर करेंगे। यह बात नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने विधानसभा-1 के बाबा श्री गार्डन में आयोजित रक्षाबंधन कार्यक्रम के अवसर पर कही। इस दौरान श्री विजयवर्गीय की धर्मपत्नी श्रीमती आशा विजयवर्गीय तथा पुत्र पूर्व विधायक श्री आकाश विजयवर्गीय भी उपस्थित थे।

बेटियां शिवलिंग पर जल चढ़ाएं और बेटे हनुमान चालीसा का पाठ करें: इस अवसर पर उपस्थित मातृशक्तियों को संबोधित करते हुए श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि मैं यहां पर उपस्थित सभी मातृशक्तियों के चरणों में अपना शीश रखकर नमन करता हूं। माताएं-बहनें आप सभी साक्षात देवी है। आप मुझे आशीर्वाद दें, हमारी परंपरा बड़ी समृद्ध है। हमारी सनातन संस्कृति में कोई बड़ा नहीं और कोई छोटा नहीं है, शंकरजी ने रामजी की सेवा की और रामजी ने शंकरजी की। जब श्रीराम रावण वध के लिए जा रहे थे तो उन्होंने रामेश्वर शिवलिंग स्थापित कर महादेव की आराधना की, हमारी संस्कृति में सभी समान है। सभी एक-दूसरे के लिए सहयोग की भावना रखते हैं,समाज में अभी काफी विकृति आई है।

माँ की जवाबदारी है बच्चों में संस्कार देना, बच्चों को बचपन से हनुमान चालीसा का पाठ करने की आदत डालना चाहिए। मेरी माँ ने मुझे रामचरित मानस, सुंदरकांड बचपन में ही सीखा दिये थे। रामचरित मानस के दोहे पढ़ने पर भोजन मिलता था और सोने से पहले भी माँ को दोहे सुनाना पढ़ते थे। बेटियों से कहें कि समीप के शिव मंदिर में जाकर शिवलिंग पर जल चढ़ाएं। इससे बेटियों के सौभाग्य में वृद्धि होगी और उनके संस्कार बेहतर होंगे और बेटियों का भविष्य सुधरेगा। बेटे हनुमान चालीसा का पाठ करें। इससे हनुमानजी से बेटों को बल, बुद्धि, विद्या का वरदान मिलेगा।

बेटियां लव – जिहाद से बचें : लव जिहाद का शिकार होकर बेटियां माँ-बाप तक को छोड़ देती हैं। इसलिए उनको बचपन से ही संस्कार दे। आजकल के कुछ सीरियल समाज में विकृति फैला रहे हैं। इसलिए मेरा माता-बहनों से निवेदन है कि बच्चों को अच्छे सीरियल दिखाएं। हमने अपने परिवार के बच्चों को अच्छे संस्कार दिए। यदि वह चार बार घर से बाहर जाते हैं तो चारों बार माता-पिता के चरण स्पर्श करके जाते है। माँ-बाप का आशीर्वाद ईश्वर से बड़ा आशीर्वाद है, जो उनका दिल दुखाता है वो कभी सुखी नहीं रहता है। मुझे कभी समय नहीं मिलता, लेकिन मेरे बेटे आकाश को बचपन से मेरी माँ और उसकी माँ ने संस्कार दिए। विदेशों से लव जिहाद के लिए पैसा आ रहा है। एक ऐसा गिरोह उत्तर प्रदेश में पकड़ा गया, हमने सख्त कार्रवाई की। मुझे गर्व है कि श्री मोदीजी और डॉ मोहन यादव जी की सरकार नारी सशक्तिकरण के लिए कार्य कर रही है। मोदी जी का एक ही सपना है कि जितना मजबूत पुरूष है उतनी मजबूत हमारी नारी शक्ति भी होना चाहिए। पहले सैनिक स्कूल में लड़कों को एडमिशन मिलता था अब लड़कियों को भी एडमिशन मिल रहा है। मोदीजी ने नारी शक्ति के हाथों में जेट विमान दिए। अभी ऑपरेशन सिंदूर में नारी शक्ति ने जेट विमान उड़ाकर पाकिस्तान को घर में घुसकर मारा है, यह हमारे भारत की नारी शक्ति की ताकत है। हमारे मुख्यमंत्रीजी आपके खाते में 1500 रुपये डालने वाले हैं। यह 15 सौ रुपये लगातार आपको मिलते रहेंगे। अगली राखी पर आपको 1750 रुपये मिलेंगे। हमारी सरकार नारी सशक्तिकरण के लिए काम करती है।

जनता ही हमारा परिवार है: श्री कैलाश विजयवर्गीय ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि हम पूरी विधानसभा को अपना परिवार मानते हैं इसलिए हम सभी त्यौहार हमारे कार्यकर्ताओं और जनता के साथ मनाते हैं। जब हम किसी को अपना परिवार मानते हैं तो उनके सुख-दुख में शामिल होते हैं और उनके साथ त्यौहारों की खुशियां मनाते हैं। हम स्त्री को देवी मानते हैं मुस्लिम समाज की बेटियां भी देवी है, लेकिन विधर्मी लोग बेटियों को अच्छी नजर से नहीं देखते इसलिए हमें बेटियों को संस्कारित करना जरूरी है।

महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने सफाई मित्रों एवं स्व-सहायता समूह की बहनों के संग मनाया रक्षाबंधन का पर्व

सफाई मित्रों एवं स्व-सहायता समूह की बहनों के साथ तिरंगा यात्रा भी निकाली गई

इन्दौर (निप्र)। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर इंदौर नगर निगम द्वारा विश्राम बाग में एक विशेष आयोजन किया गया, जिसमें महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने नगर की सफाई मित्र बहनों और स्व-सहायता समूहों की महिलाओं के साथ रक्षा सूत्र बंधवाकर पर्व का शुभारंभ किया। यह आयोजन नगर निगम द्वारा लगातार तीसरे वर्ष आयोजित किया गया , जो अब एक सशक्त सामाजिक परंपरा बन चुका है। इस अवसर पर महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव का क्षेत्र की सफाई बहनों ओर बावा सहायता समूह की दीदियों ने तिलक और पुष्पमालाओं से आत्मीय स्वागत किया। कार्यक्रम में ढोल-ढमाके, मिठाइयों और संवाद के माध्यम से रक्षाबंधन को भाईचारे, सेवा और कृतज्ञता के प्रतीक के रूप में मनाया गया। महापौर भार्गव ने उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए कहा, रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के रिश्ते तक सीमित नहीं है, यह पर्व सुरक्षा, समर्पण और सेवा का प्रतीक भी है। हमारी सफाई मित्र बहनें और स्व-सहायता समूह की महिलाएं न केवल शहर को स्वच्छ रखने में योगदान दे रही हैं, बल्कि वे सुंदर राखियाँ बनाकर इस पर्व की आत्मा को भी सशक्त बना रही हैं। श्री भार्गव ने बताया कि स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित राखियाँ नगर निगम द्वारा क्रय की गईं और सभी सफाई मित्र बहनों को उपहार स्वरूप भेंट की गईं। भविष्य में भी नगर निगम इन्हीं समूहों से राखियाँ खरीदकर नगर की सभी सफाई कर्मी बहनों को वितरित करेगा। महापौर ने इस पर्व को स्वतंत्रता दिवस से जोड़ते हुए कहा, जिस प्रकार बहन अपने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बाँधकर सुरक्षा का वचन लेती है, वैसे ही हमारे देश के वीर सैनिक सीमा पर देश की रक्षा का संकल्प लेते हैं। यह पर्व हर प्रकार परिवार, समाज और राष्ट्र की रक्षा का प्रतीक है। इंदौर के लगातार आठवीं बार देशभर में स्वच्छता में प्रथम आने पर महापौर ने नगर के सभी सफाई मित्रों और नागरिकों का आभार व्यक्त किया तथा सभी को रक्षाबंधन एवं स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ दीं।

शासकीय रानी लक्ष्मीबाई हायर सकेंडरी स्कूल शाजापुर में विधिक साक्षरता शिविर सम्पन्न

शाजापुर (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री आनंद कुमार तिवारी के मार्गदर्शन में गत दिवस 5 अगस्त 2025 को शासकीय रानी लक्ष्मीबाई हायर सकेंडरी स्कूल शाजापुर का विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें श्रीमती नमिता बौरासी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा गया कि हमारे देश की शिक्षा व्यवस्था में कानूनी जानकारी को समाहित नहीं किया गया है। इस कारण आम जनता देश में लागू कानूनों के संबंध में अधिक जानकारी नहीं रखती। इसी कारण लोग न्यायालय एवं कानून व्यवस्था से बचते हुए उनके साथ होने वाली दुर्घटनाओं के संबंध में शिकायत करने से हिचकिचाते है। अतः समस्त छात्राओं को इंटरनेट का सदुपयोग करते हुए उससे शिक्षा एवं देश में लागू विभिन्न कानूनों की जानकारी लेते रहना चाहिए। साथ ही उनके द्वारा विधिक सेवा प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं जैसे- मध्यस्थता, नेशनल लोक अदालत आदि के बारे में जानकारी दी। श्रीमती शिखा शर्मा जिला विधिक सहायता अधिकारी द्वारा छात्राओं से कहा गया कि उनके साथ किसी भी प्रकार की छेड़-छाड़ अथवा व्हाट्सअप, फेसबुक के माध्यम से किसी भी प्रकार के अनजान व्यक्ति के मैसेज या परेशान करने पर उन्हें अपने माता-पिता एवं शिक्षकों को इस संबंध में अवगत करना चाहिए तथा अनजान लोगों से न तो दोस्ती बढ़ानी चाहिए और न ही फोटो इत्यादि शेयर करना चाहिए तथा पुरुष दोस्तो से वीडियो कॉल पर बातचीत नहीं करना चाहिए, क्योंकि इसका दुरूपयोग किया जा सकता है। फिर यदि ऐसी स्थिति बनती है तो घबराये बिना माता-पिता अथवा शिक्षकों के माध्यम से पुलिस में शिकायत दर्ज करानी चाहिए तथा लीगल हेल्पलाइन नम्बर 15100 पर भी शिकायत दर्ज की जा सकती है।

इंदौर के स्वच्छता मॉडल को देखने आई महाराष्ट्र सरकार की पर्यावरण मंत्री

कबीटखेडी स्थित एसटीपी, स्लज ट्रीटमेंट प्लांट, ट्रेंचिंग ग्राउण्ड स्थित बायो सीएनजी, सी एंड डी वेस्ट प्लांट का किया अवलोकन

इन्दौर (निप्र)। देशभर में स्वच्छता के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले इंदौर नगर निगम के मॉडल को देखने आज महाराष्ट्र सरकार की पर्यावरण मंत्री सुश्री पंकजा मुंडे इंदौर के दौरे पर आईं। इस अवसर पर महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव एवं आयुक्त श्री शिवम वर्मा द्वारा मंत्री जी का पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया गया। इसके पश्चात होटल मेरियट में आयोजित कार्यक्रम में इंदौर नगर निगम द्वारा किए गए नवाचारों, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्रणाली एवं संपूर्ण स्वच्छता मॉडल पर विस्तृत प्रजेंटेशन के माध्यम से मंत्री जी को अवगत कराया गया। महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव एवं आयुक्त श्री शिवम वर्मा द्वारा इंदौर की स्वच्छता यात्रा , जीरो वेस्ट सिटी के प्रयास, प्लास्टिक वेस्ट प्रबंधन, सीएनडी वेस्ट प्रोसेसिंग, बायो सीएनजी उत्पादन, तथा जन भागीदारी से किए गए नवाचारों की संपूर्ण जानकारी दी गई। इसी क्रम में मंत्री सुश्री पंकजा मुंडे जी द्वारा कबीटखेड़ी स्थित 245 एमएलडी एसटीपी प्लांट, स्लज ट्रीटमेंट प्लांट, ट्रेंचिंग ग्राउंड स्थित बायो सीएनजी प्लांट, नेफ्रा प्लांट, सी एंड डी वेस्ट प्रोसेसिंग यूनिट तथा स्वच्छता परी का भी स्थलीय निरीक्षण एवं अवलोकन किया गया। निरीक्षण के दौरान महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, आयुक्त श्री शिवम वर्मा, जलकार्य प्रभारी श्री अभिषेक शर्मा, अपर आयुक्त श्री रोहित सिसोनिया, उपयंत्री श्री सौरभ माहेश्वरी, श्री आकाश व अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। निरीक्षण के पश्चात महाराष्ट्र सरकार की पर्यावरण मंत्री सुश्री पंकजा मुंडे ने इंदौर नगर निगम के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि हम महाराष्ट्र में भी स्वच्छता के लिए कार्य कर रहे हैं, लेकिन इंदौर जैसी गति और सशक्त क्रियान्वयन कहीं नहीं देखा। इंदौर ने वाकई में स्वच्छता के क्षेत्र में एक मजबूत मिसाल कायम की है। इंदौर का मॉडल बहुत ही प्रभावशाली है और इसे महाराष्ट्र में भी लागू करने के लिए हमारी सरकार द्वारा एक अध्ययन दल बहुत जल्द इंदौर भेजा जाएगा, जो यहां के कार्यों का गहन अध्ययन करेगा और इस मॉडल को अपनाने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा।

कलेक्टर श्री सिंह ,नगर निगम आयुक्त श्री मिश्रा ने कोयलाफाटा से कंठाल और छतरी चौक मार्ग चौड़ीकरण का निरीक्षण किया

उज्जैन (निप्र)। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह और नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा के द्वारा गुरुवार दोपहर सिंहस्थ 2028 अंतर्गत नगर निगम द्वारा किए जा रहे मार्ग चौड़ीकरण के कार्यों का निरीक्षण किया । कलेक्टर श्री सिंह और नगर निगम आयुक्त श्री मिश्रा ने कोयलाफाटा से कंठाल और छतरी चौक मार्ग चौड़ीकरण का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह और नगर निगम आयुक्त श्री मिश्रा में रहवासियों से चर्चा कर उनके सुझाव लिए ।कलेक्टर श्री सिंह ने निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए की जहां भी बारिश की बाधा न हो वहां पर निर्माण कार्य तीव्र गति से किए जाएं। मार्ग चौड़ीकरण के दौरान पेयजल पाइप लाइन, सीवर लाईन,फुटपाथ निर्माण कार्य शीघ्रता से किए जाएं। कार्य के दौरान यह विशेष रूप से ध्यान दिया जाए की मार्ग चौड़ीकरण कार्य के दौरान रहवासियों को किसी भी प्रकार की समस्या ना हो। नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा ने निरीक्षण के दौरान नगर निगम की टीम को सतत मोनिटरींग कर सीवेज का कार्य तुरंत करने के निर्देश दिए जिससे रहवासियों को परेशानी न हो । इसके पश्चात कलेक्टर श्री सिंह और नगर निगम आयुक्त श्री मिश्रा ने निर्माणरत चंदेसरी मार्ग का निरीक्षण किया और मार्ग निर्माण का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नगर निगम के अपर आयुक्त श्री पवन कुमार सिंह और अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे ।

युवा संगम कार्यक्रम में 135 बेरोजगार युवाओं का प्राथमिक चयन हुआ

खण्डवा (निप्र)। गुरुवार को शासकीय आईटीआई खंडवा में युवा संगम कार्यक्रम तथा स्वरोजगार एप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया गया। जिला रोजगार अधिकारी खंडवा श्री लक्ष्मण सिंह सिलौटे ने बताया कि इस मेले में कुल 230 आवेदकों ने अपना पंजीयन कराया। मेले में कुल 11 कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित हुए तथा विभिन्न कंपनियों द्वारा कुल 135 युवक युवतियों का प्राथमिक चयन कर उन्हें ऑफर लेटर प्रदान किये गये। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की ओर से 55 आवेदकों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने प्राइवेट नर्सिंग होम संचालकों की बैठक में राहवीर योजना के प्रचार प्रसार के दिए निर्देश

गोल्डन ऑवर में घायल को अस्पताल पहुंचाने वाले राह वीर को मिलेगा 25 हजार का इनाम

खण्डवा (निप्र)। सड़क दुर्घटनाओं में होनी वाली मृत्युदर में कमी लाने के लिए सरकार ने राह-वीर योजना शुरू की है। योजना की गाईड लाईन के अनुसार सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को गोल्डन ऑवर अर्थात दुर्घटना से एक घंटे की समयावधि में अस्पताल पहुंचाने वाले राह-वीर को 25 हजार रूपये की नगद प्रोत्साहन राशि एवं प्रशस्ति-पत्र दिया जायेगा। इसके साथ ही चुने हुए राह-वीरों में से सबसे योग्य 10 राह-वीरों को राष्ट्रीय स्तर पर एक-एक लाख रुपये पुरस्कार स्वरूप दिये जायेंगे। गुरुवार शाम को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने उपस्थित प्राइवेट नर्सिंग होम्स के संचालकों से अपील की कि इस योजना का व्यापक प्रचार प्रसार करें। उन्होंने प्राइवेट नर्सिंग होम्स के संचालकों से अपने अपने निजी अस्पतालों की छतों पर रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगवाने की भी अपील की बैठक में संयुक्त कलेक्टर श्रीमती अंशु जावला ने बताया कि कोई भी व्यक्ति जो मोटरयान सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को गोल्डन ऑवर में अस्पताल या ट्रामा केयर सेंटर तत्परता से पहुँचाकर जान बचाता है ऐसे सभी व्यक्ति राह-वीर योजना के लिए पात्र होंगे। गोल्डन ऑवर अर्थात दुर्घटना होने के एक घंटे के भीतर गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की जान बचाने के लिए चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराना है।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने 100 रुपये व उससे अधिक की अचल संपत्ति की नोटरी किए जाने पर लगाया प्रतिबंध

इन्दौर (निप्र)। विधिक प्रावधानों एवं शासकीय निर्देशों का पालन कराने हेतु इन्दौर जिले की राजस्व सीमा अन्तर्गत 100 रुपये व उससे अधिक की अचल सम्पत्ति की नोटरी किये जाने से जन-सामान्य को उत्पन्न होने वाली परेशानियों की रोकथाम एवं अवांछनीय गतिविधियों के निवारण के लिए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री आशीष सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163(1)(2) के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये हैं। जारी आदेश के अनुसार इन्दौर जिले में 100 रुपये व उससे अधिक की अचल सम्पत्ति की नोटरी किये जाने को प्रतिबंधित किया गया है। यदि किसी नोटरी द्वारा ऐसा कृत्य किया जाता है तो उसके विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत कार्यवाही करने के साथ ही नोटरी लायसेंस को निरस्त करने की कार्यवाही की अनुशंसा की जायेगी तथा अन्य वैधानिक कार्यवाही भी की जायेगी। सभी वरिष्ठ जिला पंजीयक, जिला पंजीयक, वरिष्ठ उप पंजीयक, उप पंजीयक, जिला इन्दौर अनुविभागीय दण्डाधिकारी, कार्यपालिक दण्डाधिकारी, पुलिस के थाना प्रभारी, पुलिस के सभी वरिष्ठ अधिकारी, उक्त आदेश का पालन एवं क्रियान्वयन सुनिश्चित करेंगे। जो भी व्यक्ति अथवा संगठन उक्त आदेश का उल्लंघन करेगा, उसके विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के दण्डात्मक प्रावधानों के अन्तर्गत कार्यवाही की जायेगी। यह आदेश दिनांक 07 अगस्त 2025 से 05 अक्टूबर 2025 तक की अवधि में प्रभावशील रहेगा। प्रायः यह देखने में आता है कि कुछ लोगों द्वारा अचल सम्पत्ति को रजिस्ट्री के आधार पर क्रय-विक्रय न करते हुए नोटरी के आधार पर क्रय-विक्रय कर लिया जाता है। इस प्रकार के छल-कपट में भोली-भाली जनता, जिन्हें नियम कानूनों का ज्ञान नहीं है फंस जाते है, धोखाधड़ी का शिकार होते है तथा बाद में परेशानी उठाते है। इस प्रकार के नोटरी के आधार पर पंजीकृत दस्तावेजों का कोई कानून अस्तित्व नहीं होने से अनावश्यक कठिनाईयां पैदा होती है। कई बार देखने में आता है कि व्यक्ति अपनी जीवन की पूरी कमाई या कर्ज आदि लेकर अचल सम्पत्ति क्रय करते हैं तथा उसकी विधिवत रजिस्ट्री न करवाते हुये पैसे बचाने के लालच में नोटरी के आधार पर अचल सम्पत्ति क्रय कर लेते है, जिससे एक तरफ शासन को राजस्व की हानि होती है, वहीं दूसरी ओर इस प्रकार के दस्तावेजों का कोई वैधानिक अस्तित्व नहीं होने से क्रेता का कोई स्वामित्व भी निर्धारित नहीं होता है। साथ में इससे अवैध कॉलोनियों को बढ़ावा मिलता है, जहां किसी भी प्रकार की अधोसंरचना न होने के कारण जन-आक्रोश की स्थिति निर्मित होती है। साथ ही स्वामित्व संबंधी कानूनी विवाद बढ़ने के कारण कानून एवं व्यवस्था की स्थिति निर्मित होने की आशंकाएं बनी रहती है।

संपादकीय

सियासी दुश्मनी में लोकतंत्र लहूलुहान

पश्चिम बंगाल में जिस तरह राजनीतिक हिंसा की घटनाएं आम हो चुकी हैं, उससे ऐसा लगता है कि वहां लोकतांत्रिक तरीके से अपने विचारों की राजनीति करने से ज्यादा प्राथमिक सीधे टकराव को मान लिया गया है। वरना क्या वजह है कि अगर दो दलों या उनके नेताओं के बीच किसी मुद्दे पर मतभेद है, तो उस पर संवाद के बजाय उनके कार्यकर्ता आक्रामक रुख अख्तियार कर लेना अपना पहला काम मान लेते हैं। गुरुवार को राज्य की विधानसभा में विपक्ष के नेता और भाजपा विधायक शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर पथराव की घटना इसका ताजा उदाहरण है कि वहां राजनीतिक गतिविधियों का अर्थ स्वस्थ बहस या संवाद नहीं रह गया है, बल्कि हिंसक रास्ते के जरिए अपने प्रतिद्वंद्वी को रोकने की कोशिश की जाती है। गौरतलब है कि शुभेंदु अधिकारी पार्टी कार्यकर्ताओं को निशाना बनाए जाने के मसले पर पुलिस अधीक्षक से मिलने जा रहे थे कि इसी बीच रास्ते में उनके काफिले में शामिल वाहनों पर पत्थरों और डंडों से हमला हुआ। यह समझना मुश्किल है कि राज्य में इस तरह की घटना के वक्त पुलिस मूकदर्शक क्यों बनी रहती है। स्वाभाविक रूप से इस घटना के बाद एक रिवायत की तरह भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप के क्रम ने फिर जोर पकड़ लिया, लेकिन सच यह है कि राज्य की राजनीति में हिंसा या आक्रामकता एक आम चलन के रूप में घुल गई है। लगभग सभी दल इसी को अपना प्राथमिक औजार मानने लगे हैं। शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर हमला इस तरह की कोई अकेली घटना नहीं है। पिछले कुछ दिनों के दौरान तृणमूल कांग्रेस से जुड़े दो नेताओं की हत्या की खबरें आईं।इससे पहले भाजपा के एक नेता के आवास के बाहर बम विस्फोट की घटना हुई थी। विडंबना है कि पश्चिम बंगाल की राजनीति में हिंसा को एक अघोषित मूल्य के रूप में देखा जाने लगा है। खासतौर पर वहां चुनावों के दौरान हिंसा-प्रतिहिंसा की घटनाओं में तेजी आ जाती है। मगर अब ऐसी घटनाएं निरंतरता में होने लगी हैं। सवाल है कि क्या यह राज्य के पुलिस तंत्र के बेअसर हो जाने का उदाहरण है। अगर यह स्थिति बनी रहती है तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि राज्य में लोकतंत्र के सामने किस तरह का संकट खड़ा होगा।

नई फसल की कामना- यह त्योहार आने वाली खरीफ की फसल (जैसे सोयाबीन, धान, मक्का) की अच्छी पैदावार और समृद्धि की कामना के साथ मनाया जाता है। भुजरियों को बोना एक प्रतीकात्मक कार्य है जो फसल की बुवाई और उसके बढ़ने की प्रक्रिया को दर्शाता है। यह एक तरह से धरती माता से अच्छी फसल के लिए आशीर्वाद मांगने जैसा है। प्रकृति से जुड़ाव- यह हमें प्रकृति के करीब लाता है और सिखाता है कि हमें पर्यावरण और संसाधनों का सम्मान करना चाहिए। यह दिखाता है कि कैसे हमारा जीवन सीधे तौर पर प्रकृति से जुड़ा हुआ है।

भुजरिया पर्व- प्रकृति प्रेम और सांस्कृतिक धरोहर का उत्सव

(मोहित मालवीय)

क्या आपने कभी ऐसे त्योहार के बारे में सुना है जहाँ मिट्टी के छोटे-छोटे बर्तनों में जौ बोकर, उनकी पूजा की जाती है और फिर उन्हें नदी या तालाब में विसर्जित किया जाता है? यही है भुजरिया का त्योहार, जो मध्य भारत, खासकर मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में बड़े ही उल्लास के साथ मनाया जाता है। 2025 में, भुजरिया का पर्व 10 अगस्त, शनिवार को मनाया जाएगा। यह त्योहार प्रकृति, कृषि और आपसी सौहार्द का प्रतीक है, जो रक्षा बंधन के ठीक अगले दिन आता है।

भुजरिया क्या है और इसका महत्व क्या है?

भुजरिया दो शब्दों से मिलकर बना है - 'भुज' जिसका अर्थ है भुजा या हाथ, और 'रिया' जिसका अर्थ है हरियाली। यह मूल रूप से फसलों और अच्छी पैदावार से जुड़ा एक कृषि पर्व है। यह सावन मास की पूर्णिमा यानी रक्षा बंधन के अगले दिन, प्रतिपदा तिथि को मनाया जाता है। किसान और ग्रामीण समुदाय इस त्योहार के ज़रिए प्रकृति और धरती माता के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

इसके महत्व को ऐसे समझा जा सकता है

नई फसल की कामना- यह त्योहार आने वाली खरीफ की फसल (जैसे सोयाबीन, धान, मक्का) की अच्छी पैदावार और समृद्धि की कामना के साथ मनाया जाता है। भुजरियों को बोना एक प्रतीकात्मक कार्य है जो फसल की बुवाई और उसके बढ़ने की प्रक्रिया को दर्शाता है। यह एक तरह से धरती माता से अच्छी फसल के लिए आशीर्वाद मांगने जैसा है।

प्रकृति से जुड़ाव- यह हमें प्रकृति के करीब लाता है और सिखाता है कि हमें पर्यावरण और संसाधनों का सम्मान करना चाहिए। यह दिखाता है कि कैसे हमारा जीवन सीधे तौर पर प्रकृति से जुड़ा हुआ है।

भाईचारे का प्रतीक- इस दिन लोग एक-दूसरे को भुजरियाँ भेंट करते हैं, गले मिलते हैं और बधाई देते हैं, जिससे आपसी भाईचारा और प्रेम बढ़ता है। यह सामाजिक मेलजोल का एक बड़ा अवसर होता है।

परंपराओं का संरक्षण- यह त्योहार सदियों पुरानी कृषि और लोक परंपराओं को जीवित रखता है, जो हमारी सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह हमें अपनी जड़ों से जोड़े रखता है।

उर्वरता का प्रतीक- जौ के अंकुरों का उगना और फिर उन्हें जल में विसर्जित करना, जीवन चक्र, उर्वरता और पुनर्जन्म का प्रतीक माना जाता है। यह आशा और नए सिरे से शुरुआत का संदेश देता है।

भुजरिया कैसे उगाते और मनाते हैं?

भुजरिया उगाने और मनाने की प्रक्रिया काफ़ी सरल लेकिन प्रतीकात्मक होती है, और इसमें परिवार के सभी सदस्य शामिल होते हैं

बुवाई की तैयारी- रक्षा बंधन से लगभग 7-9 दिन पहले (यानी श्रावण मास की अमावस्या के आसपास), महिलाएँ और बच्चे छोटे-छोटे मिट्टी के कुल्हड़, टोकरियाँ या

थालियाँ लेते हैं। इन बर्तनों को अच्छी तरह साफ़ किया जाता है।

मिट्टी और जौ- इन बर्तनों में साफ़ और उपजाऊ मिट्टी भरी जाती है। फिर इसमें जौ के दाने बो दिए जाते हैं। कई बार इसमें गेहूं या मक्का के दाने भी बोए जाते हैं, लेकिन जौ सबसे आम है।

देखभाल और पोषण- इन बर्तनों को घर के किसी अँधेरे कोने में रखा जाता है जहाँ सीधी धूप न पड़े। यह ज़रूरी है ताकि अंकुर तेज़ी से और पीले रंग के निकलें। हर दिन इन भुजरियों को थोड़ा-थोड़ा पानी दिया जाता है और इनकी बहुत सावधानी से देखभाल की जाती है, ठीक वैसे ही जैसे किसान अपनी फ़सल की देखभाल करते हैं।

विकास- कुछ ही दिनों में, जौ के छोटे-छोटे अंकुर निकल आते हैं, जो हल्के पीले रंग के होते हैं। ये अंकुर तेज़ी से बढ़ते हैं और रक्षा बंधन तक लगभग 6-9 इंच लंबे हो जाते हैं। इन्हें ही 'भुजरिया' कहा जाता है। इन भुजरियों को देखना ही अपने आप में एक सुखद अनुभव होता है।

त्योहार का दिन (10 अगस्त, 2025)- रक्षा बंधन के ठीक अगले दिन, प्रतिपदा तिथि को, ये भुजरियाँ पूरी तरह से तैयार हो जाती हैं। इस दिन, महिलाएँ और बच्चे इन भुजरियों को सिर पर रखकर, रंग-बिरंगे कपड़े पहनकर, लोक गीत गाते हुए पास के तालाब, नदी या कुएँ पर ले जाती हैं। यह एक जुलूस जैसा होता है, जिसमें पूरा गाँव या मोहल्ला शामिल होता है।

विसर्जन और समर्पण- जल स्रोत पर पहुँचकर, भुजरियों को पूरे सम्मान के साथ जल में विसर्जित किया जाता है। यह इस बात का प्रतीक है कि प्रकृति ने हमें जो दिया है, उसे हम वापस प्रकृति को ही समर्पित कर रहे हैं। यह क्रिया प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने का एक तरीका है। आशीर्वाद और भेंट- विसर्जन के बाद, लोग इन भुजरियों में से कुछ अंकुर अपने साथ ले आते हैं। फिर वे एक-दूसरे को भुजरियाँ भेंट करते हैं। दोस्त और रिश्तेदार एक-दूसरे को गले मिलते हैं और 'भुजरिया ले लो, भुजरिया ले लो' कहते हुए एक-दूसरे को भुजरियाँ देते हैं। ये भुजरियाँ समृद्धि, सौभाग्य और अच्छे स्वास्थ्य का प्रतीक मानी जाती हैं। छोटे, बड़ों के पैर छूकर आशीर्वाद लेते हैं और बड़े उन्हें भुजरियाँ देकर आशीर्वाद देते हैं।

इस दिन कई जगहों पर लोक गीत गाए जाते हैं और लोक नृत्य भी किए जाते हैं, जिससे पूरे वातावरण में एक उत्सव का माहौल बन जाता है। ढोल-नगाड़ों की थाप पर लोग नाचते-गाते हैं और अपनी खुशी का इज़हार करते हैं।

भुजरिया का सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व

भुजरिया सिर्फ़ एक कृषि उत्सव नहीं है, बल्कि इसका गहरा सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व भी है, जो इसे भारतीय त्योहारों में एक ख़ास जगह देता है-

रिश्तों को मज़बूत करना- यह त्योहार परिवारों और समुदायों को एक साथ लाता है। भुजरियों का आदान-प्रदान और एक-दूसरे को गले लगाना आपसी भाईचारे और रिश्तों को मज़बूत करता है। यह गिले-शिकवे भुलाकर एक-दूसरे के करीब आने का अवसर देता है।

पीढ़ियों का जुड़ाव- बच्चे, युवा और बड़े-बुज़ुर्ग सब मिलकर भुजरियाँ उगाते हैं और उत्सव में शामिल होते हैं। यह नई पीढ़ी को अपनी जड़ों, परंपराओं और ग्रामीण जीवन शैली से जोड़ता है, जो शहरीकरण के दौर में बहुत ज़रूरी है।

पर्यावरण चेतना- यह त्योहार हमें प्राकृतिक संसाधनों के महत्व और उनके संरक्षण की याद दिलाता है। यह हमें सिखाता है कि हमें प्रकृति का सम्मान करना चाहिए और उसके साथ सामंजस्य बिठाकर रहना चाहिए।

सरल जीवन का प्रतीक- यह दिखाता है कि कैसे हमारे पूर्वज प्रकृति के साथ तालमेल बिठाकर एक सरल और खुशहाल जीवन जीते थे। यह दिखावे से परे एक सच्चा और आत्मिक त्योहार है, जो हमें भौतिकवादी दुनिया से हटकर कुछ देर के लिए प्रकृति और रिश्तों पर ध्यान केंद्रित करने का मौका देता है।

लोक कला और संस्कृति का प्रदर्शन- भुजरिया के गीत और नृत्य इस त्योहार का एक अभिन्न अंग हैं। ये गीत अक्सर प्रकृति, कृषि, प्रेम और संबंधों की कहानियाँ सुनाते हैं, और कई पीढ़ियों से मौखिक रूप से चले आ रहे हैं। यह लोक कलाओं को जीवित रखने में मदद करता है।

मध्य प्रदेश के मालवा, निमाड़, बुंदेलखंड और बघेलखंड जैसे क्षेत्रों में भुजरिया का विशेष महत्व है। उदाहरण के लिए, इंदौर, उज्जैन, भोपाल और जबलपुर जैसे शहरों में, महिलाएं समूह में भुजरियां विसर्जन के लिए जाती हैं, जो एक मनमोहक दृश्य होता है। छत्तीसगढ़ में भी यह पर्व बड़े उत्साह से मनाया जाता है, जहाँ इसे अक्सर 'भुजली' या 'कजली' के नाम से भी जाना जाता है। उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में भी यह त्योहार इसी तरह मनाया जाता है।

यह त्योहार ग्रामीण और शहरी, दोनों क्षेत्रों में अपनी जगह बनाए हुए है। शहरों में भले ही खेत-खलिहान न हों, फिर भी लोग परंपरा निभाने और प्रकृति से जुड़ने के लिए भुजरियाँ उगाते हैं और मनाते हैं। यह त्योहार हमें अपनी सांस्कृतिक पहचान से जोड़े रखता है।

वोट बैंक लालच ने बर्बाद किया हिमाचल-उत्तराखंड को

(योगेंद्र योगी)

विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार और डेवलपर्स पर्यावरणीय प्रभावों को नजरअंदाज कर रहे हैं। हिमाचल में 174 छोटे-बड़े हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स हैं, जो 11,209 मेगावाट बिजली पैदा करते हैं। इन प्रोजेक्ट्स के लिए पहाड़ों को काटा जाता है।

लोकतंत्र में चुनी हुई सरकारों से यह अपेक्षा की जाती है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए दूरदृष्टि के साथ दूरगामी विकास को सिरे चढ़ाया जाए। इसके विपरीत नेताओं को सिर्फ वोट बैंक की चिंता है। इसके लिए तात्कालिक विकास की नीतियों के फायदे के लिए लोगों के जीवन से खिलवाड़ करने के साथ ही पर्यावरण के विनाशकारी प्रभावों की अनदेखी करना आम है। यही वजह है कि हिमाचल सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने तगड़ी लताड़ लगाई है। कोर्ट ने कहा कि अगर अनियंत्रित विकास और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियां नहीं रोकी गईं, तो एक दिन पूरा हिमाचल नक्शे से गायब हो सकता है। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब हिमाचल में बदलते पर्यावरण को लेकर चिंताएं बढ़ती जा रही हैं और विकास के नाम पर अंधाधुंध पेड़ काटे जा रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट की इस कड़ी टिप्पणी के अगले ही दिन उत्तराखंड के चमोली में चमोली जिले में हेलंग के समीप निर्माणाधीन एक हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट साइट के पास पहाड़ एक बार फिर से ढहकर धड़ाम से नीचे गिर गया। इस हादसे में कंपनी के 8 मजदूर घायल हो गए। साइट पर हादसे के वक्त करीब 300 मजदूर थे। जहां पर लैंडस्लाइड हुआ वहां पर 70 के करीब मजदूर कार्य कर रहे थे। ऐसे हादसों के बावजूद हिमालयी क्षेत्र के राज्यों की सरकारों ने कोई सबक नहीं सीखा है। इन राज्यों में विकास के नाम पर बर्बादी की कहानी लिखी जा रही है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा कि कहा कि सरकारों का मकसद राजस्व बढ़ाना नहीं बल्कि पर्यावरण को बचाना होना चाहिए खासकर ऐसे संवेदनशील इलाकों में। कोर्ट ने यह टिप्पणी एक होटल कंपनी की याचिका खारिज करते हुए की। यह कंपनी जून 2025 की उस अधिसूचना के खिलाफ थी, जिसमें हिमाचल के श्री तारा माता हिल को ग्रीन एरिया घोषित कर नई प्राइवेट कंस्ट्रक्शन पर रोक लगा दी गई थी। बेंच ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में हालात बिगड़ते जा रहे हैं। इस साल भी बाढ़ और भूस्खलन में सैकड़ों लोग मारे गए और हजारों घर तबाह हो गए। यह साफ है कि प्रकृति इंसानी गतिविधियों से नाराज है। कोर्ट ने आगे कहा कि केवल प्रकृति को दोष देना गलत है। हिमाचल में पहाड़ों का खिसकना, सड़कों पर लैंडस्लाइड, मकानों का गिरना और सड़क धंसना, ये सब इंसानों की छेड़छाड़ का नतीजा है।

कोर्ट ने भाखड़ा और नाथपा झाकड़ी जैसे हाइड्रो प्रोजेक्ट्स पर सवाल उठाते हुए कहा कि बिना सही भूगर्भ जांच और पर्यावरण अध्ययन के ये प्रोजेक्ट्स पहाड़ों को कमजोर कर रहे हैं। न्यूनतम जल प्रवाह का पालन न होने से नदियों में जलीय जीवन खत्म हो रहा है। आज सतलुज नदी एक नाले जैसी हो गई है। कोर्ट ने साफ किया कि अब समय रहते सख्त कदम न उठाए गए तो हिमाचल का अस्तित्व ही खतरे में पड़ सकता है। गौरतलब है कि पिछले एक सदी में हिमाचल प्रदेश में औसत तापमान 1.6 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है। यह जलवायु परिवर्तन का एक स्पष्ट संकेत है, जिसके कारण हिमाचल प्रदेश में आपदाओं की संख्या में तापमान में वृद्धि के कारण, बारिश की तीव्रता और आवृत्ति में वृद्धि हुई है, जिससे बाढ़ और भूस्खलन जैसी आपदाएँ आ रही हैं। हिमाचल के पांच जिले (चंबा, हमीरपुर, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी) भूकंप के लिए अति संवेदनशील क्षेत्र में आते हैं। भूकंप और लगातार बारिश से पहाड़ कमजोर हो जाते हैं, जिससे भूस्खलन की घटनाएं बढ़ती हैं। हिमाचल में लगभग 58.36 प्रतिशत भूमि तीव्र मिट्टी कटाव के खतरे में है। भारी बारिश के कारण मिट्टी बह जाती है, जिससे पहाड़ों की स्थिरता कम होती है और भूस्खलन का खतरा बढ़ता है। हिमाचल में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। इससे नदियों में पानी का स्तर बढ़ जाता है, जिससे बाढ़ का खतरा बढ़ता है। हिमाचल में अनियोजित-अवैज्ञानिक विकास कार्यों ने आपदाओं को और बढ़ावा दिया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार और डेवलपर्स पर्यावरणीय प्रभावों को नजरअंदाज कर रहे हैं। हिमाचल में 174 छोटे-बड़े हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स हैं, जो 11,209 मेगावाट बिजली पैदा करते हैं। इन प्रोजेक्ट्स के लिए पहाड़ों को काटा जाता है। नदियों का प्रवाह बाधित होता है। वर्ष 2023 में कुल्लू और सैंज वैली में मलाना, सैंज और पार्वती प्रोजेक्ट्स के पास भारी नुकसान हुआ। मंडी, कुल्लू और शिमला में सड़क निर्माण के कारण बारिश में स्लिप और भूस्खलन की घटनाएं आम हैं। शिमला जैसे शहरों में बहुमंजिला इमारतें बन रही हैं, जो पर्यावरणीय चेतावनियों को नजरअंदाज करती हैं। हिमाचल में जंगलों को काटकर बिजली प्रोजेक्ट्स, सड़कों और पर्यटन के लिए जगह बनाई जा रही है।

वर्ष 1980 से 2014 तक किन्नौर में 90 प्रतिशत जंगल गैर-वन गतिविधियों के लिए हस्तांतरित किए गए, जिससे जैव विविधता और मिट्टी की स्थिरता को नुकसान हुआ। हिमाचल में हर साल लाखों पर्यटक आते हैं, खासकर कुल्लू, मनाली और शिमला जैसे क्षेत्रों में। इससे पर्यावरण पर दबाव बढ़ता है। होटल, रिसॉर्ट्स और अन्य निर्माण कार्यों के लिए पहाड़ों को काटा जाता है। कचरे का उचित प्रबंधन नहीं होता। इससे जल स्रोत और नदियां प्रदूषित होती हैं। बाढ़ जैसी स्थिति बनती है। पिछले कुछ सालों में हिमाचल में आपदाओं की संख्या और तीव्रता बढ़ी है। वर्ष 2021 में 476 लोगों की मृत्यु और करीब 1151 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। वर्ष 2022 में 276 लोगों की मृत्यु और 939 करोड़ रुपये का नुकसान, वर्ष 2023 में 404 लोगों की मृत्यु तथा 12000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इसी तरह पिछले वर्ष 2024 में 358 लोगों की मृत्यु, 1004 घर क्षतिग्रस्त, और 7088 पशु हानि और 18 बादल फटने की घटनाओं ने 14 हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स को नुकसान पहुंचाया। कमोबेश ऐसे ही विनाशकारी हालात उत्तराखंड के हैं। इस साल भी बारिश के कारण उत्तराखंड में एक जून से लेकर अभी तक प्राकृतिक आपदाओं में 25 लोगों की मौत हुई है। उत्तराखंड में नदियां अक्सर भारी बारिश के कारण उफान पर आ जाती हैं, जिससे बाढ़ और भूस्खलन होता है। वर्ष 2013 की केदारनाथ आपदा में मंदाकिनी नदी में आई बाढ़ ने व्यापक विनाश किया था। वर्ष 2021 में उत्तराखंड में 17 प्रमुख बादल फटने की घटनाएं हुईं। जिससे 34 लोगों की मौत हो गई और 106 घर दब गए। आश्चर्य यह है कि इन दोनों राज्यों की सरकारों ने इन प्राकृतिक आपदाओं से कोई सबक नहीं सीखा। दोनों राज्यों में विकास के नाम अदूरदर्शी प्रतिकूल पर्यावरणीय गतिविधियां जारी हैं। इससे जाहिर है कि नेताओं की नजरें सिर्फ वोट बैंक तक सीमित रहती हैं, लोगों की जान-माल की यदि परवाह होती तो दोनों राज्यों के हालात इतने बदतर नहीं होते। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

वर्ग पहेली 5818

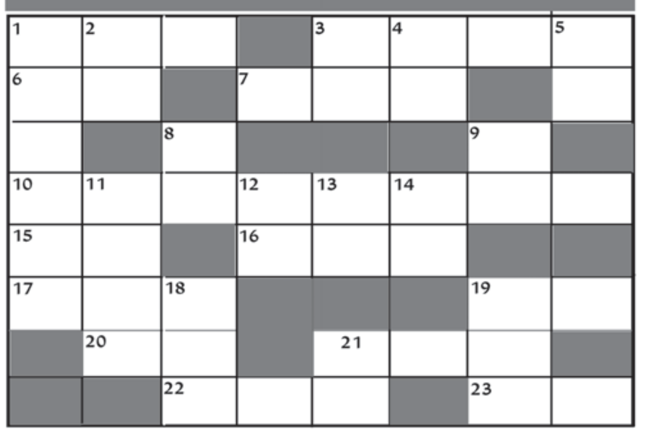

संकेत: बाएं से दाएं

1. 2000 को ऑस्टेलिया में यहां 27 वें ओलम्पिक खेलों का शुभारंभ हुआ (3)
3. इस देश को साऊथवेस्ट अफ्रिका कहा जाता था (4)
6. समय का अत्यंत छोटा भाग (2)
7. राष्ट्र, देश, मुल्क (3)
10. पुरानी फिल्मों के प्रसिद्ध गीतकार जिनका मूल नाम अब्दुल हयी था (8)
15. तिब्बती धर्मगुरू यह कहलाते है (2)
16. धतूरा, स्वर्ण (3)
17. प्रकार, जेवर, आभूषण (3)
19. मशगूल, काम में लगा हुआ (2)
20. देह, शरीर, काया, बदन (2)
21. सुगमता, आसानी, सुख, चैन (3)
22. यह नार्डिक देशों में सबसे बड़ा देश जिसकी राजधानी स्टाकहोम है (3)
23. पूर्ति साधन, वह जो किया जाए (2)

संकेत: ऊपर से नीचे

1. सेनाध्यक्ष, सेनानी, कमांडर, सेनापति (6)
2. कश्मीर की प्रसिद्ध झील (2)
3. हजरत मुहम्मद की छंदोबद्ध स्तुति (2)
4. मछली, मत्स्य, बारह राशियों में से एक (2)
5. एक नहर, तीन घंटे का समय (2)
8. मयूर, हमारा राष्ट्रीय पक्षी (2)
9. इस देश की राजधानी मेड्रिड है (2)
11. अविवेक, मूढ़ता, नामसझी, विवेकहीनता (4)
12. देखना (अंग्रेजी), इनामल (2)
13. शास्त्रीहय संगीत में तबले आदि का बोल (2)
14. हिमालय के पर्वतीय क्षेत्र में पाया जाने वाला एक जंगली बैल (2)
18. विद्वान व्यक्ति, ध्यानी (3)
19. प्रक्षालनकर्मी, प्रक्षालक, मैले वस्त्र साफ करने वाला (3)
21. हुनर, कला, आर्ट, गुण (2)

वर्ग पहेली 5817 का हल

रा	म	जे	ठ	म	ला	नी	
म	न		ह	म	ला	व	र
दा	न	वी	र		अ		ह
स			ना	का	म	या	ब
	आ			म	र	म	र
फा	ग		म	दी	ना		
गु	म	रा	ह		थ	म	ना
न	न		ल	क्ष्य		ला	स

आखिरकार दगाबाज चीन पर भरोसा करके फिर चोट खाने के रिस्क क्यों उठा रहे हैं भारत के पीएम मोदी?

(कमलेश पांडे)

मसलन, यहां पर सवाल भूमि के किसी कब्जाए हुए टुकड़े या सांप्रदायिक मिजाज पर वर्चस्व की मानसिकता का नहीं है, बल्कि उन दुर्भाग्यपूर्ण राजनीतिक-प्रशासनिक फैसलों से जुड़ा हुआ है जिसकी कीमत हमारे वीर जवानों और आम आदमियों को चुकानी पड़ती है। जब भी हमारे देश का कोई प्रधानमंत्री चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे शत्रु देशों से वैश्विक कूटनीति के नाम पर प्रेम और भरोसे के पींगे बढ़ाना चाहता है, या फिर नेपाल, श्रीलंका, मालदीव, म्यांमार या तिब्बतियों पर भारतीयों की गाढ़ी कमाई लुटाता है तो मेरे मन में एक ही सवाल पैदा होता है कि हमारे इन नेताओं को इतिहास का ज्ञान नहीं है, या फिर भौगोलिक सच्चाई से ये नादान हैं। क्या इन्हें उन वीर जवानों और साम्प्रदायिक दंगा, आतंकवाद, नक्सलवाद, संगठित अपराध की भेंट चढ़े आमलोगों व सुरक्षा कर्मियों के चेहरे याद नहीं आते, उनकी विधवाओं और बच्चों, वृद्ध माता पिता आदि की याद नहीं आती, जिनकी असमय मौत का एकमात्र कारण चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश या इनका रिंग मास्टर अमेरिका की विध्वंसक नीतियां रही हैं। मसलन, यहां पर सवाल भूमि के किसी कब्जाए हुए टुकड़े या सांप्रदायिक मिजाज पर वर्चस्व की मानसिकता का नहीं है, बल्कि उन दुर्भाग्यपूर्ण राजनीतिक-प्रशासनिक फैसलों से जुड़ा हुआ है जिसकी कीमत हमारे वीर जवानों और आम आदमियों को चुकानी पड़ती है। जैसा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी बाजपेयी ने कहा था कि हम इतिहास बदल सकते हैं, लेकिन भूगोल नहीं, के बारे में सिर्फ इतनी सी दलील देना चाहूंगा कि आप इतिहास और भूगोल को यथावत रहने दीजिए, बस अपने राजनीति विज्ञान के विषय वस्तु बदल दीजिए। आपको पता होना चाहिए कि राजनीति विज्ञान परिवर्तन शील होता है, इसलिए इसे हमारे वीर जवानों और आम आदमियों के अनुकूल बना दीजिए। आपको भी इस बात का आभास होगा कि हमारे दलित-पिछड़े लोग इन सूक्ष्म प्रशासनिक बारीकियों को नहीं समझ पाते हैं, इसलिए इस अहम बदलाव के लिए किसी जनादेश का इंतजार मत कीजिए, बल्कि अपनी अंतरआत्मा से फैसले लीजिए।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

आज का राशिफल

मेष

आज कुछ ऐसे परिवर्तन भी देखने को मिल सकते हैं, जो आपके पक्ष में होंगे। हालांकि, इसके चलते कुछ विरोधियों का क्रोध बढ़ सकता है। लेकिन आप अपनी मधुर वाणी और व्यवहार से माहौल को खुशनुमा बना देंगे। रात में जीवनसाथी के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बढ़ सकती है।

वृष

आज कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है, जिससे मन खुश रहेगा। कार्यक्षेत्र में कामकाज अच्छा चलेगा और व्यापार में लाभ कमाने के अवसर भी प्राप्त हो सकते हैं। पारिवारिक मामले में भी दिन खुशनुमा रहने वाला है और शाम के समय किसी ऐसे कार्यक्रम में शामिल होने का मौका मिल सकता है।

मिथुन

आज उच्च अधिकारियों के सहयोग से कोई बहुमूल्य वस्तु या संपत्ति प्राप्त हो सकती है। जिससे मन खुश रहेगा और पिता का आशीर्वाद भी प्राप्त होगा। आप कामकाज में ज्यादा व्यस्त रह सकते है। लेकिन इस दौरान आपको ज्यादा धन खर्च करने से बचना होगा।

कर्क

आज व्यवसाय के मामले में दिन बहुत शुभ रहने वाला है और आपकी योजनाएं तेजी से आगे बढ़ेंगी। आपको अचानक बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति हो सकती है, जिससे आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी और तनाव भी कम होगा। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ने की संभावना भी बनी हुई है।

सिंह

आज दिन अच्छा रहने वाला है और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को भी सफलता प्राप्त होगी। अगर आपने किसी प्रतियोगिता में भाग लिया है तो उस क्षेत्र में भी आप आगे बढ़ सकते हैं और कार्यस्थल पर रुके हुए कार्य भी पूरे होने लगेंगे। लेकिन सेहत पर खास ध्यान देने की जरूरत है।

कन्या

आज कार्यक्षेत्र में समझदारी से सही फैसले लेने से बड़ा लाभ मिल सकता है। रचनात्मक कार्यों की ओर ज्यादा रुचि बढ़ेगी, जिससे मन को सुकून मिलेगा। अगर कार्यस्थल पर विपरीत परिस्थिति उत्पन्न होती है, तो आपको अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना होगा।

तुला

आज आपको कोई बड़ी उपलब्धि प्राप्त हो सकती है, जिससे मन खुश रहेगा। नौकरी करने वालों के लिए आय के नए स्रोत बनेंगे और आपके प्रभावशाली ढंग से बोलने का तरीका भी आपको विशेष सम्मान दिलाएगा। लेकिन ज्यादा भागदौड़ के चलते आपकी सेहत पर भी इसका असर पड़ सकता है।

वृश्चिक

आज कार्यक्षेत्र में लाभ प्राप्त हो सकता है, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और धन में वृद्धि होगी। साथ ही, समाज और कार्यस्थल पर आपके मान-सम्मान व कीर्ति में वृद्धि होगी। आपको कोई रुका हुआ काम भी पूरा हो सकता है और प्रियजनों से मुलाकात होने से दिल खुश रहेगा।

धनु

आज कुछ धन खर्च हो सकता है। साथ ही, सांसारिक सुख के साधनों में भी वृद्धि होगी। कार्यस्थल पर किसी अधीनस्थ कर्मचारी के चलते तनाव बढ़ने की संभावना है। वहीं, पैसों के लेन-देन के समय आपको सावधानी बरतनी होगी, अन्यथा धन कहीं अटक भी सकता है। दिन के समय आपको कोर्ट के किसी काम के चलते बाहर जाना पड़ सकता है।

मकर

आज व्यावसायिक क्षेत्र में अपेक्षा के अनुसार लाभ प्राप्त होगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। धन के आगमन से आर्थिक स्थिति भी पहले से मजबूत हो जाएगा। आप अपने काम में कोई परिवर्तन लाने की योजना भी बना सकते हैं। वहीं, किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी और किसी धार्मिक स्थान पर यात्रा करने के योग भी बन रहे हैं।

कुंभ

आज दिन भागदौड़ भरा रह सकता है और खर्चों में भी वृद्धि होने की संभावना है। किसी संपत्ति के क्रय विक्रय के समय आपको सभी चीजों को अच्छी तरह चेक करना होगा। साथ ही, सोच-समझकर कोई भी फैसला लेना बेहतर होगा। जल्दबाजी में लिए निर्णय नुकसान दिला सकते हैं।

मीन

आज आपको किसी पास या दूर की यात्रा पर जाना पड़ सकता है। यह लाभदायक हो सकती है। बिजनेस में उन्नति मिलने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। वहीं स्टूडेंट्स को मानसिक तनाव से छुटकारा मिलेगा और शाम के समय कहीं घूमने-फिरने जा सकते हैं। आपके वैवाहिक जीवन में खुशहाली आएगी, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

विश्व आदिवासी दिवस, 9 अगस्त मनाया जाता है, केवल एक संवैधानिक औपचारिकता नहीं, बल्कि यह सभ्यता की जड़ों और संवेदनशीलता के स्रोत को स्मरण करने का दिन है। यह दिन न केवल आदिवासियों के अस्तित्व, अधिकारों यानी जल, जंगल, जमीन और उनके जीवन की रक्षा का उद्घोष है, बल्कि यह नए भारत के पुनर्निर्माण में उनके अमूल्य योगदान को रेखांकित करने का भी अवसर है। आदिवासी समाज कोई पिछड़ा समूह नहीं, बल्कि वह सांस्कृतिक ऊर्जा का अक्षय स्रोत है, जिसने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर पर्यावरण रक्षा तक, सामाजिक समरसता से लेकर आध्यात्मिक परंपराओं तक, हर दिशा में क्रांतिकारी भूमिका निभाई है।

प्रकृति के पुत्र और संस्कृति के प्रहरी हैं आदिवासी

(ललित गर्ग)

आज आदिवासी समाज को जितना खतरा बाह्य आर्थिक और राजनीतिक शोषण से है, उससे कहीं अधिक सांस्कृतिक अस्मिता के विघटन से है। धर्मान्तरण की गतिविधियाँ न केवल धार्मिक परिवर्तनों का परिणाम देती हैं, बल्कि उससे जुड़ी मानसिक गुलामी और राष्ट्र-विरोधी मानसिकता भी पनपती है।

विश्व आदिवासी दिवस, 9 अगस्त मनाया जाता है, केवल एक संवैधानिक औपचारिकता नहीं, बल्कि यह सभ्यता की जड़ों और संवेदनशीलता के स्रोत को स्मरण करने का दिन है। यह दिन न केवल आदिवासियों के अस्तित्व, अधिकारों यानी जल, जंगल, जमीन और उनके जीवन की रक्षा का उद्घोष है, बल्कि यह नए भारत के पुनर्निर्माण में उनके अमूल्य योगदान को रेखांकित करने का भी अवसर है। आदिवासी समाज कोई पिछड़ा समूह नहीं, बल्कि वह सांस्कृतिक ऊर्जा का अक्षय स्रोत है, जिसने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर पर्यावरण रक्षा तक, सामाजिक समरसता से लेकर आध्यात्मिक परंपराओं तक, हर दिशा में क्रांतिकारी भूमिका निभाई है।

आदिवासी प्रकृति के पुत्र और संस्कृति के प्रहरी है। 'जो प्रकृति से जुड़ा है, वही मनुष्यत्व का संरक्षक है'-यह वाक्य आदिवासी समाज पर अक्षरशः लागू होता है। आदिवासी शब्द मात्र एक सामाजिक पहचान नहीं, बल्कि एक दर्शन है, सहजता, सामूहिकता, संतुलन और सह-अस्तित्व का दर्शन। करीब 90 प्रतिशत खनिज सम्पदा, वनौषधियां और जैव विविधता इन्हीं के क्षेत्रों में विद्यमान है। उनका जीवन सभ्यता के केंद्र से नहीं, बल्कि संवेदना के मूल से संचालित होता है। वे भले ही 'वनवासी' कहलाए गए, परंतु उनका जीवन दर्शन हमें शहरीकरण के आडंबर से बाहर निकालकर स्वाभाविक जीवन की राह दिखाता है। नए भारत में विकास का पर्याय यदि केवल बहुराष्ट्रीय निवेश, चकाचौंध और स्मार्ट सिटी बन गया है, तो आदिवासी समाज उसके विस्थापित मूल्य हैं। जल-जंगल-जमीन के नाम पर किए गए सौदे, खनिज लूट, धार्मिक कन्वर्जन, सांस्कृतिक विघटन और जबरन भूमि अधिग्रहण की घटनाएं केवल उनकी आर्थिक दशा ही नहीं बिगाड़ती, बल्कि उनकी पहचान, संस्कृति, भाषा और परंपरा को भी निगलती जा रही हैं। आज आदिवासी समाज त्रष्टा, अशिक्षा, पलायन, अस्वास्थ्यकर जीवन, बेरोजगारी जैसी समस्याओं से ग्रस्त है। तथाकथित विकास ने उन्हें 'पराया' बना दिया है। वे भारत में रहकर भी अपने ही देश में अदृश्य नागरिक बन गए हैं, जिनके पास न राशन कार्ड है, न पहचान पत्र, न ही राजनीतिक प्रतिनिधित्व की शक्ति।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नए भारत की कल्पना में अगर सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास का सूत्र वाक्य सार्थक करना है, तो आदिवासी पुनर्जागरण सबसे पहली शर्त है। इस दिशा में गुजरात के प्रसिद्ध जैन संत गणि राजेन्द्र विजयजी का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनका जीवन आदिवासी क्षेत्रों के लिए संघर्ष, सेवा और सद्भाव की त्रयी बन गया है। वे वर्षों से आदिवासी समाज के उत्थान हेतु शिक्षा, स्वास्थ्य, नशामुक्ति, रोजगार और संस्कृति संवर्धन के अभियान चला रहे हैं। उनका सुखी परिवार अभियान केवल परिवार को नहीं, बल्कि पूरे आदिवासी समाज को जागृत करने का एक जनांदोलन बन चुका है। वे आदिवासियों में आत्मबल, आत्मगौरव और आत्मनिर्भरता की भावना जगा रहे हैं। बालिका शिक्षा केंद्र, नैतिक शिक्षा अभियान, युवाओं के लिए स्वावलंबन कार्यशालाएं, महिलाओं के लिए स्वास्थ्य, आदिवासी ग्रामोद्योग, आदिवासी संस्कृति उन्नयन और स्व-सहायता समूहों का गठन-ये सभी उनके प्रयासों का हिस्सा हैं। वे जनजातीय समाज में अहिंसा, नैतिकता और भारतीय संस्कृति के बीज बो रहे हैं, ताकि वे अपने मूल से कटे नहीं, बल्कि गौरव से जुड़े रहें।

आज आदिवासी समाज को जितना खतरा बाह्य आर्थिक और राजनीतिक शोषण से है, उससे कहीं अधिक सांस्कृतिक अस्मिता के विघटन से है। धर्मान्तरण की गतिविधियाँ न केवल धार्मिक परिवर्तनों का परिणाम देती हैं, बल्कि उससे जुड़ी मानसिक गुलामी और राष्ट्र-विरोधी मानसिकता भी पनपती है। गणि राजेन्द्र विजयजी इस खतरे को भली-भांति समझते हैं। उन्होंने धर्मान्तरण के विरुद्ध शांति, संवाद और आध्यात्मिक पुनर्जागरण का मार्ग अपनाया है। उन्होंने जैन धर्म के मूल्यों के साथ-साथ सभी धर्मों के सकारात्मक मूल्यों को आदिवासी जनजीवन से जोड़ा है ताकि वे किसी भी प्रकार की सांस्कृतिक हिंसा से बचें। गणिजी का स्पष्ट मत है कि हर आदिवासी को अपनी जड़ों में झांकना होगा। उसे यह पहचानना होगा कि वह केवल वनवासी नहीं, अपितु संस्कृति का संवाहक है।' वे आदिवासियों को आत्म निरीक्षण की प्रेरणा देते हैं कि जो अपने मूल से कट जाता है, वह किसी भी विकास का अधिकारी नहीं बन सकता।उनकी प्रेरणा से कई आदिवासी युवाओं ने शिक्षा ग्रहण की, रोजगार स्थापित किए, कुटीर उद्योगों की ओर बढ़े और सबसे महत्वपूर्ण, अपने आत्मगौरव को पुनः प्राप्त किया।

आज जब दुनिया कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ब्लॉकचेन, ड्रोन टेक्नोलॉजी और डिजिटल नवाचार की ओर अग्रसर हो रही है, तब आदिवासी समाज को भी इस बदलाव की मुख्यधारा से जोड़ना आवश्यक है। तकनीक उनके जीवन में केवल बदलाव का कारक नहीं, बल्कि संरक्षण और सशक्तिकरण का माध्यम बन सकती है। एआई आधारित भाषाई अनुवाद तकनीकों से उनकी बोली और लोककथाओं को डिजिटल रूप में संरक्षित किया जा सकता है, जिससे उनकी सांस्कृतिक विरासत विश्व तक पहुंचे। ड्रोन एवं जीआईएस तकनीक से आदिवासी क्षेत्रों के भू-अधिकार सुरक्षित किए जा सकते हैं। मोबाइल हेल्थ यूनिट्स, टेलीमेडिसिन और डिजिटल शिक्षा से वे दुर्गम क्षेत्रों में भी उन्नत जीवन स्तर पा सकते हैं। नवाचार तभी सार्थक होगा जब वह जंगलों में बसे एक युवा को भी ग्लोबल लर्निंग का अवसर प्रदान करे, न कि उसे अपनी जड़ों से काटे।

आज की वैश्विक दुनिया 'लोकल टू ग्लोबल' की सोच को प्रोत्साहित कर रही है और आदिवासी समाज इसमें एक अनमोल भागीदार बन सकता है। उनका पारंपरिक ज्ञान, जैविक खेती, वन औषधियों की समझ, हस्तशिल्प और पर्यावरण संतुलन की परंपराएं विश्व समुदाय के लिए एक वैकल्पिक जीवनदर्शन बन सकती हैं। इसके लिए जरूरी है कि आदिवासी युवा आधुनिक शिक्षा को अपनाएं, लेकिन अपनी संस्कृति और जीवनमूल्यों से जुड़े रहें। उन्हें अपने उद्यमिता कौशल को पहचानने और विकसित करने की आवश्यकता है, जैसे वनोपज आधारित उद्योग, इको-टूरिज्म, वन-हस्तशिल्प, संगीत-नृत्य उत्सव आदि के माध्यम से वे आर्थिक रूप से सशक्त हो सकते हैं। डिजिटल मार्केट प्लेस के जरिए उनके उत्पादों को वैश्विक बाज़ार में पहुंचाया जा सकता है। आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा तभी पूर्ण होगी जब आदिवासी समाज भी अपने भीतर से आत्मनिर्भर बनकर आगे बढ़े।

भारत की स्वतंत्रता केवल मैदानों और दरबारों में नहीं, बल्कि जंगलों और पहाड़ियों में भी लड़ी गई थी, जहाँ आदिवासी वीरों ने अंग्रेजी साम्राज्य की नींव हिला दी थी। बिरसा मुंडा जैसे अद्भुत योद्धा और आध्यात्मिक नेता ने न केवल अंग्रेजों के भूमि अधिग्रहण और धर्मान्तरण के विरुद्ध जनजागरण किया, बल्कि एक सशस्त्र संघर्ष को भी नेतृत्व प्रदान किया। झारखंड में चला उनका उलगुलान आंदोलन (महाविप्लव) आदिवासी अस्मिता और स्वाभिमान की एक ऐतिहासिक घोषणा थी। इसी तरह सिद्धू-कान्हू, रानी दुर्गावती, तेलंगाना के कोमराम भीम, भील आंदोलन के गोविंद गुरु, तेनालीराम बावरी, और नारायण सिंह जैसे अनेक आदिवासी सेनानियों ने अपने प्राणों की आहुति देकर यह सिद्ध किया कि भारत की आज़ादी की चिंगारी सबसे पहले आदिवासी अंचलों में धधकी थी। बिरसा मुंडा और आदिवासी वीरों का आजादी में अविस्मरणीय योगदान रहा लेकिन दुर्भाग्यवश, इतिहास की मुख्यधारा में इनके योगदान को उतनी जगह नहीं मिली, जितनी मिलनी चाहिए थी। आज विश्व आदिवासी दिवस हमें इन भूलाए गए नायकों को स्मरण करने, उनका गौरव गान करने और नई पीढ़ी में उनकी प्रेरणा जगाने का अवसर देता है।

ट्रंप के ट्रेड फतवों को खारिज कर मोदी ने अमेरिका को भारत की ताकत का अहसास करा दिया है

(नीरज कुमार दुबे)

हम आपको बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने पहले से ही भारत पर 25त्न शुल्क लगाया था और हाल ही में रूसी तेल की खरीदारी को लेकर अतिरिक्त 25त्न शुल्क जोड़ते हुए कुल 50त्न टैरिफ लागू कर दिए, जो किसी भी देश पर अब तक सबसे ज्यादा शुल्क है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर एकतरफा तरीके से भारी-भरकम टैरिफ (शुल्क) लगाने और व्यापारिक फतवों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सख्त और संतुलित रुख सामने आया है। प्रधानमंत्री मोदी ने बिना अमेरिका या ट्रंप का नाम लिए यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत अपने किसानों, मछुआरों और पशुपालकों के हितों पर किसी भी अंतरराष्ट्रीय दबाव के आगे झुकने वाला नहीं है। यह एक ऐसा कदम है जो भारत की आत्मनिर्भरता, संप्रभुता और जनहित को प्राथमिकता देने का संकेत देता है।

हम आपको बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने पहले से ही भारत पर 25त्न शुल्क लगाया था और हाल ही में रूसी तेल की खरीदारी को लेकर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क जोड़ते हुए कुल 50प्रतिशत टैरिफ लागू कर दिए, जो किसी भी देश पर अब तक सबसे ज्यादा शुल्क है। यह सीधा-सीधा दबाव बनाने की रणनीति है ताकि भारत अपने व्यापारिक नीतियों को अमेरिकी हितों के अनुसार ढाल ले।

इसके जवाब में प्रधानमंत्री मोदी ने दो टूक कहा कि भारत किसानों, मछुआरों और डेयरी किसानों के हितों पर कभी समझौता नहीं करेगा। हमें इसके लिए भारी कीमत चुकानी पड़ेगी, इसकी मुझे जानकारी है, और मैं इसके लिए तैयार हूं। भारत इसके लिए तैयार है। देखा जाये तो यह बयान न केवल साहसी था, बल्कि यह अमेरिका को एक स्पष्ट संदेश भी था कि भारत अब अंतरराष्ट्रीय संबंधों में बराबरी के स्तर पर संवाद चाहता है, न कि दबाव में।

इसके साथ ही, भारत सरकार ने ट्रंप की मांगों को लेकर एक स्पष्ट 'रेड लाइन' खींच दी है। विशेष रूप से कृषि, डेयरी और जेनेटिकली मोडिफाइड खाद्य पदार्थों के क्षेत्र में अमेरिका को बाजार में खुला प्रवेश देने से इंकार कर दिया गया है। देखा जाये तो भारत में छोटे किसान, जो जीविका के लिए कृषि पर निर्भर हैं, अमेरिकी कृषि उत्पादों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते, क्योंकि अमेरिका के बड़े-बड़े फार्मों को सरकार की तरफ से भारी सब्सिडी मिलती है। यदि इन उत्पादों को भारत में बिना शुल्क के आने दिया गया, तो भारतीय किसानों की आजीविका पर सीधा खतरा उत्पन्न हो सकता है। इसी तरह, डेयरी सेक्टर में भी अमेरिका ने ज़ीरो ड्यूटी की मांग की है, लेकिन भारत ने इसे सिरे से नकार दिया है। भारत की डेयरी व्यवस्था लाखों छोटे पशुपालकों के जीवन से जुड़ी हुई है और यह न केवल आर्थिक बल्कि सामाजिक स्थायित्व से भी जुड़ा हुआ मुद्दा है।

इसके अलावा, जेनेटिकली मोडिफाइड फूड एक और विवादास्पद क्षेत्र है, जहां भारत ने ट्रंप प्रशासन की ज़बरदस्ती को सख्ती से नकार दिया है। हम आपको बता दें कि भारत में जीएम फूड को लेकर वैज्ञानिक और सामाजिक चिंताएं बनी हुई हैं। अमेरिका की तरफ से ऐसे खाद्य पदार्थों के निर्यात पर दबाव बनाया गया, जबकि भारत ने इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरणीय दृष्टिकोण से अस्वीकार्य माना। वहीं तेल की खरीद को लेकर भी भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि यह निर्णय भारत की ऊर्जा सुरक्षा को ध्यान में रखकर बाजार आधारित तरीकों से लिया गया है, न कि किसी एक देश को लाभ पहुंचाने के लिए।

देखा जाये तो डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार नीति में एक तरफा लाभ लेने की प्रवृत्ति दिखती है। उन्होंने जिन अन्य देशों के साथ समझौते किए, वहां भी टैरिफ कम करने के बदले कोई ठोस रियायत नहीं दी।

चित्तौड़ की राख से उदयपुर के प्रकाश तक स्वराज के शिल्पी थे महाराणा उदय सिंह

महाराणा प्रताप जैसे अमर पुत्र को जन्म देने वाले इस राजपुरुष की सबसे बड़ी उपलब्धि यह नहीं थी कि उन्होंने नगर बसाया, बल्कि यह थी कि उन्होंने एक ऐसे राज्य की पुनर्रचना की जिसने पराजय की नहीं, पुनर्निर्माण की राजनीति बोली।

(प्रणय विक्रम सिंह)

जब समय की आंधी किलों को ढहा देती है और सत्ता के सिंहासन राख हो जाते हैं, तब कुछ युगपुरुष इतिहास को हथेली पर उठाकर नवयुग की दिशा दिखाते हैं। ऐसे ही एक दीप-पुरुष थे, महाराणा उदय सिंह द्वितीय, जिनकी दृष्टि में दूरगामी रणनीति थी, भुजाओं में स्वराज्य का संकल्प था और हृदय में मातृभूमि के लिए अमिट श्रद्धा।

वे केवल एक राजा नहीं थे, संस्कृति के संरक्षक, आत्मगौरव के अभियंता और प्रजा के विश्वास-पुरुष थे। चित्तौड़ की राख से जिन्होंने उदयपुर के सूर्य को जन्म दिया और इतिहास को यह सिखाया कि पराजय की धूल में भी नवनिर्माण की चेतना अंकुरित हो सकती है।

चित्तौड़ की छाया से उदयपुर के प्रकाश तक- 16वीं शताब्दी का भारत निरंतर मुगलिया हमलों और आंतरिक कलह से त्रस्त था। चित्तौड़ पर जब एक नहीं, कई बार विध्वंसकारी हमले हुए, तब मेवाड़ की रक्षा हेतु एक नई रणनीति की आवश्यकता पड़ी। यह महाराणा उदय सिंह ही थे, जिन्होंने दूरदर्शिता और साहस का परिचय देते हुए अरावली की गोद में उदयपुर नामक एक नए नगर की नींव रखी।

यह कोई राजधानियों की अदला-बदली नहीं थी। यह था, स्वराज्य के विचार को फिर से सजीव करने का प्रयत्न, एक ऐसा नगर जो युद्ध नहीं, संस्कृति और निर्माण की भाषा बोले।

युद्धभूमि से युगनिर्माण की ओर- महाराणा उदय सिंह कोई केवल तलवार के धनी नहीं थे। वे भविष्य की भूमि पर आशा के बीज बोने वाले शिल्पी थे। चित्तौड़ की राख से वे केवल बदला नहीं, बदलाव ले आए। उन्होंने सिसोदिया वंश को केवल जीवित नहीं रखा, बल्कि उसे धर्मरक्षा, लोकसेवा और सांस्कृतिक चेतना का नेतृत्व सौंपा।

उदयपुर की स्थापना मात्र एक नगर नहीं, बल्कि नव-आत्मगौरव की घोषणा थी। यह एक ऐतिहासिक उदाहरण है कि जब शत्रु दीवारें गिराता है, तब प्रबुद्ध राजा दुर्गों का स्थान आत्मबल में खोजते हैं।

मातृभूमि के लिए समर्पित एक सम्राट- चित्तौड़ के तीसरे साके की ज्वाला कोई साधारण इतिहास नहीं, वह अस्मिता की अग्निपरीक्षा थी। जब अकबर के आक्रमण में चित्तौड़ की प्राचीरें गिरीं, महलों की मीनारें राख हुई और स्त्री-शिशु-सैनिकों की आंखों में धधकते धुएं का धुंधलका छा गया, तब महाराणा उदय सिंह ने केवल अपने कुल की रक्षा नहीं की, बल्कि समूचे मेवाड़ की आत्मा को नया आश्रय, नया आकार और नया अभिप्राय दिया।

वे जानते थे कि कोई भी शासन केवल प्रासादों और परकोटों से नहीं, बल्कि प्रजा के विश्वास, नेतृत्व की दृष्टि और आत्मगौरव के बीजों से खड़ा होता है।

उदयपुर, आज जो 'झीलों का शहर' कहलाता है, उसकी नींव केवल पत्थरों से नहीं, बलिदान और बुद्धिमत्ता से रखी गई थी।

महाराणा प्रताप जैसे अमर पुत्र को जन्म देने वाले इस राजपुरुष की सबसे बड़ी उपलब्धि यह नहीं थी कि उन्होंने नगर बसाया, बल्कि यह थी कि उन्होंने एक ऐसे राज्य की पुनर्रचना की जिसने पराजय की नहीं, पुनर्निर्माण की राजनीति बोली।

उदयपुर उस कालखंड में एक सांस्कृतिक प्रतिरोध की रचना थी, जहां नगर एक भूगोल नहीं, एक वैचारिक घोषणा बना। उन्होंने यह सन्देश दिया कि जो राजा केवल युद्धभूमि पर नहीं, सांस्कृतिक संघर्षों में भी दिशा देता है, वही राष्ट्र की धरोहर बनता है। मेवाड़ का अस्तित्व उस दिन मिटा नहीं था, उदय सिंह की दूरदृष्टि और प्रजाधर्म की शक्ति से वह एक नए स्वरूप में उदित हुआ था। विदित हो कि जिस हाथ ने प्रताप को झूला झुलाया, उसी हाथ ने आने वाली पीढ़ी को मातृभूमि के लिए संघर्ष का संस्कार दिया।

एक पिता, एक राजा, एक राष्ट्रभक्त उदय सिंह ने इतिहास को न केवल जीवित रखा, उसे पुनः जीवंत किया। वे जानते थे, एक पराजय अंतिम नहीं होती, परन्तु पराजय को स्वीकार कर लेना इतिहास का अंतिम अध्याय बन सकता है।

महाराणा के मेवाड़ी मंत्र- आज जब हम महाराणा उदय सिंह द्वितीय की जयंती मना रहे हैं, यह केवल श्रद्धांजलि का क्षण नहीं, बल्कि स्मृति से संकल्प तक की एक ऐतिहासिक यात्रा है। यह वह अवसर है, जब अतीत की राख से भविष्य की चिंगारियों को पहचानने का संकल्प लेना होगा।

महाराणा उदय सिंह हमें सिखाते हैं कि रणनीति में धैर्य और विपत्ति में दृष्टि ही एक सच्चे सम्राट की पहचान होती है। पराजय केवल अंत नहीं, नवसर्जन का बीज भी हो सकती है और यह कि भूमि और संस्कृति की रक्षा के लिए विलंब विनाश बन सकता है। आज का भारत जब विकसित राष्ट्र की ओर द्रुत गति से अग्रसर है, तब यह स्मरण अत्यंत आवश्यक है कि विकास महज कांक्रीट का खेल नहीं, आत्मगौरव का अभियान है। शहरों की नींव और संस्कारों की धारा साथ-साथ चलनी चाहिए। ऐसे समय में महाराणा उदय सिंह की स्मृति हमें चेताती है कि विकास केवल ईंट और पत्थर से नहीं, आत्मा, अभिप्राय और दृष्टि से होता है।

श्रद्धा-सुमन उस युगदृष्टा को, जिसने उजाड़ की धूल में उजाले की नगरी बसाई, जिसने पराजय में पराक्रम का बीज बोया, और जिसके एक निर्णय ने मेवाड़ को मिटने नहीं, अमरता का आशीर्वाद दिया।

जय महाराणा उदय सिंह!

जय मेवाड़! जय भारत! (ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं)

संक्षिप्त समाचार

कानपुर के बिधनू में आटो चालक पर जानलेवा हमला, छह लोगों ने लाठी डंडो से पीटकर किया लहुलूहान

बिधनू, एजेंसी। बिधनू चक गांव मोड़ के पास शुक्रवार देर रात घर लौट रहे आटो सवार युवक को आधा दर्जन लोगों ने घेरकर लाठी डंडों से पीटकर मरणासन्न कर दिया। चीखपुकार सुन ग्रामीणों को आता देख हमलावर मौके से भाग निकले। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को सीएचसी में भर्ती कराया। जहां से एलएलआर अस्पताल रेफर कर दिया गया।

जयसिंहपुर निवासी किसान राधेलाल का 35 वर्षीय बेटा जितेंद्र गांव के आटो चालक है। शुक्रवार देर रात करीब 11 बजे वह आटो लेकर घर लौट रहा था। चक गांव मोड़ के पास आधा दर्जन लोगों ने उसे घेरकर आटो से खींचकर पिटाई शुरू कर दी। इसके बाद हमलावरों ने लाठी डंडों से पीटकर मरणासन्न कर दिया। चीखपुकार सुन ग्रामीणों को आता देख हमलावर मौके से भाग निकले।

पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से घायल चालक को सीएचसी में भर्ती कराया। जहां गंभीर हालत देख एलएलआर (हैलेट) रेफर कर दिया। थाना प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया चालक होश आने पर पूछताछ व तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली-कोलकाता नेशनल हाईवे पर चार ट्रक आपस में टकराए, दो गंभीर, कई घंटे तक लगा रहा जाम

हंडिया, एजेंसी। दिल्ली-कोलकाता नेशनल हाईवे पर प्रयागराज के हंडिया में शुक्रवार रात सड़क हादसा हुआ। जबराडीह में चार ट्रक आपस में टकरा गए। इससे एक ट्रक का चालक व खलासी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना तेज था कि वाहनों के परखचे उड़ गए। ग्रामीणों की मदद से घायल चालक-खलासी को किसी तरह ट्रक से बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया।

प्रयागराज के हडिया थाना क्षेत्र के जबराडीह में नेशनल हाईवे पर शुक्रवार रात उड़ीसा से राजस्थान जा रहा सरिया लदा ट्रक व अन्य तीन वाहनों में भिड़ंत हो गई। वहीं सरिया लदे ट्रक के चालक 24 वर्षीय साहिल पुत्र उमर निवासी अलवल राजस्थान तथा 17 वर्षीय खलासी आलम पुत्र इसब निवासी घासवाला अलबेला राजस्थान गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने 108 एंबुलेंस से घायलों को हडिया सीएससी में भर्ती कराया।

उधर वाहनों के आपस में टकराने से कई घंटे तक नेशनल हाईवे पर जाम की स्थिति बनी रही। हंडिया पुलिस व एनएचआइ की टीम ने मशक्कत के बाद गाड़ियों को क्रेन से हटवा कर यातायात सुचारू कराया। इसके बाद आवागमन बहाल हो सका।

इस संबंध में हडिया इंस्पेक्टर नितेंद्र कुमार शुक्ला ने बताया कि घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। उनकी स्थिति सामान्य है, जबकि मौके पर शांति व्यवस्था कायम है। नेशनल हाईवे पर यातायात बहाल है।

प्रैक्टिस कर रहे 12 अधिवक्ताओं के यूपी बोर्ड के प्रमाणपत्र फर्जी, बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश करा रही शैक्षिक अभिलेखों का सत्यापन

प्रयागराज, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश अपने यहां पंजीकृत उन अधिवक्ताओं के शैक्षिक अभिलेखों का सत्यापन करा रही है, जो विभिन्न अदालतों में प्रैक्टिस कर रहे हैं। अब तक किए गए सत्यापन में 12 अधिवक्ताओं के अभिलेख यूपी बोर्ड के रिकार्ड में नहीं मिले। यानी उनके अंकपत्र/प्रमाणपत्र फर्जी हैं।

बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश में पंजीकृत करीब साढ़े चार लाख अधिवक्ताओं में से उनके शैक्षिक अभिलेख संबंधित संस्थाओं को सत्यापन के लिए भेजे गए हैं, जिन्होंने प्रैक्टिस करने के संबंध में काउंसिल में आवेदन किए हैं। यूपी बोर्ड में सत्यापन के लिए सवा दो लाख अंकपत्र/प्रमाणपत्र सत्यापन के लिए अब तक मिले हैं। सत्यापन के लिए काउंसिल ने अंकपत्र/प्रमाणपत्रों के छोटे-छोटे पैकेट बनाकर गाड़ियों में भरकर यूपी बोर्ड मुख्यालय के अभिलेख अनुभाग में अलग-अलग दिनों में पहुंचाए हैं। यह क्रम अब भी चल रहा है। इसी तरह उ'च शिक्षा के अभिलेखों को सत्यापन के लिए संबंधित विश्वविद्यालयों को भेजा गया है।

काशी में कर्मकांड व हर्षोल्लास के साथ संपन्न श्रावणी उपाकर्म

वाराणसी, एजेंसी। गुरु (शिक्षक) संस्कृत-संस्कार और संस्कृति के परिदृश्य में विद्यार्थियों को उत्तम कर्म करने का पाठ पढ़ाएं, शिक्षक श्रेष्ठ गुरु बन, श्रेष्ठ विद्यार्थियों का जन्म दें, जब श्रेष्ठ विद्यार्थी होंगे तभी श्रेष्ठ भारत का निर्माण होगा।

वही कर्णधार भारत के परिदृश्य को विश्व फलक पर स्थापित करेंगे। उक्त विचार शनिवार को संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के वेद विभाग के अंतर्गत श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा के दिन राष्ट्र कल्याण एवं संस्कृत परंपरा के अनुसार श्रावणी उपाकर्म (ऋषि पूजन) पर संस्कृत जगत को आशीर्वाद देते हुए कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा ने व्यक्त किए।

प्रो. महेन्द्र पांडेय ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि इस दिन सुबह दैनिक क्रियाओं से निवृत्त होने के बाद स्नान करते हैं। फिर कोरे जनेऊ की पूजा करते हैं। जनेऊ की गांठ में ब्रह्म स्थित होते हैं। उनके धागों में सप्तऋषि का वास माना जाता है। ब्रह्म और सप्तऋषि पूजन के बाद नदी या सरोवर में खड़े होकर ब्रह्मकर्म श्रावणी संपन्न होती है। पूजा के बाद उसमें शामिल जनेऊ में से एक जनेऊ पहन लेते हैं और बाकी के जनेऊ रख लेते हैं। पूरे वर्षभर जब भी जनेऊ बदलने की आवश्यकता होती है तो श्रावणी उपाकर्म के पूजन वाले जनेऊ को ही पहनते हैं।

बतौर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के वरिष्ठ आचार्य एवं न्याय शास्त्र के उद्भट विद्वान् प्रो. रामपूजन पांडेय ने कहा कि यह पर्व द्विजन्म के नाम से भी जाना जाता है,मनुष्य एक बार अपने मां के तन से जन्म लेता है मनुष्य का जन्म ही नहीं पशुओं पक्षियों का भी इस तरह से जन्म होता है, लेकिन मनुष्य उन सबसे भिन्न है उसका श्रेष्ठ गुरुओ की सानिध्यता में शिष्य बनाकर आज के ही दिन गुरुकुलों में विद्याध्ययन के लिए प्रवेश दिया जाता है,यहाँ पर गुरु जन अपने शिष्यों को राष्ट्र,समाज और परिवार के प्रति उत्तमचरित्र, नैतिक, राष्ट्रीयता, संस्कार संस्कृति एवं दयाभाव का अध्ययन कराते हैं। शिष्य गुरु के प्रति अपने भाव और आदर के माध्यम से सम्पूर्ण समय समर्पित करते हैं संस्कृत दिवस और रक्षाबंधन का पर्व भी आज ही के दिन होता है।यह पापों के प्रायश्चित के लिए पूजन के माध्यम से किया जाता है।

उसके बाद विश्वविद्यालय के वेद विभाग में मध्याह्न 10÷×0 बजे कुलपति प्रो बिहारी लाल शर्मा के आशीर्वादन एवं प्रो रामपूजन पाण्डेय जी के अध्यक्षता में षोडशोपचार विधि से संस्कृत,संस्कृति और संस्कार तथा दया, करुणा, राष्ट्रीयता के भाव के लिये सप्तऋषि,गौरी -गणेश पूजन किया गया। वेदविभागाध्यक्ष प्रोफेसर महेंद्र पाण्डेय के निर्देशन, डाक्टर विजय कुमार शर्मा के आचार्यत्व तथा डाक्टर सत्येन्द्र कुमार यादव के संयोजकत्व में सम्पन्न हुआ। उस दौरान प्रो. रामपूजन, प्रो. सदानंद शुक्ल, प्रो. महेंद्र पांडेय, विजय शर्मा, डा. सत्येंद्र कुमार यादव, डा. गिरजा शंकर चौबे, डा. जनक नंदिनी, डा. साकेत शुक्ल डा. श्याम सुंदर तिवारी, संतोष दुबे आदि उपस्थित रहे।

वाराणसी में शनिवार को मणिकर्णिका घाट स्थित सतुआ बाबा आश्रम में सावन माह के पूर्णिमा पर महामंडलेश्वर सन्तोष दास सहित सैकड़ों सनातन धर्म के लोगों ने ललिता घाट गंगा द्वार पर विधि विधान के साथ गंगा स्नान पंच द्रव्यो से स्नान के बाद काशी विश्वनाथ जी का दर्शन पूजन कर आश्रम में श्रावणी उपक्रम के पूजन पाठ हवन कर श्रावणी पूर्णिमा पर्व मनाया गया।

गोरखपुर में उफान पर सरयू, राप्ती स्थिर; घटाव पर रोहिन का पानी

गोरखपुर, एजेंसी। नेपाल में होने वाली वर्षा के कारण नदियों के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। सरयू नदी अपने खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गई है। बर्डघाट में राप्ती नदी का जलस्तर स्थिर है। वहीं रोहिन नदी का जलस्तर पिछले 24 घंटे में घटाव पर आया है।

सिंचाई विभाग से मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार की शाम अयोध्या पुल के पास लगे मीटर गेज पर सरयू का पानी खतरे के निशान से लगभग 5× सेमी ऊपर पहुंच गया था। नदी का पानी एल्गिन ब्रिज, अयोध्या पुल, बरहज, तुर्तीपार, चांदपुर और मांझी में खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है। बर्डघाट में राप्ती नदी का जलस्तर गुरुवार की देर रात से शुक्रवार की सुबह तक बढ़ाव पर रहा। शाम चार बजे जलस्तर स्थिर पाया गया।

रोहिन नदी में 24 घंटे में घटाव नजर आया है। इस नदी के त्रिमुहानी घाट पर लगे मीटर गेट पर 24 घंटे में 52 सेंटीमीटर पानी घटा है। सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता विपिन बिहारी सिंह ने बताया कि सरयू का जलस्तर बढ़ा है। राप्ती स्थिर है और रोहिन नदी उतार पर है। लेकिन सरयू के जलस्तर का असर राप्ती और रोहिन पर नजर आएगा।

संभावित बाढ़ को देखते हुए सिंचाई विभाग और तहसील प्रशासन की ओर से गांवों में बाढ़ सुरक्षा समितियों की बैठक की जा रही है। बरहुआ में राप्ती नदी अपने खतरे के निशान से लगभग एक मीटर नीचे बह रही है।

इसको देखते हुए तटवर्ती गांव बरहुआ में बनी बाढ़ चौकी पर बाढ़ खंड के अभियंताओं और राजस्वकर्मियों ने ग्रामीणों संग बैठक करके जानकारी ली। लोगों को बाढ़ के दौरान सजग रहने, बंधे में नदी के कटान होने पर तत्काल सूचना देने सहित अन्य गतिविधियों को लेकर जागरूक किया।

29 लाख की साइबर ठगी में कारोबारी सचिन जैन गिरफ्तार, गुरुग्राम पुलिस ने कोर्ट में पेश कर भेजा जेल

मेरठ, एजेंसी। रेलवे रोड थाने की आनंदपुरी कालोनी के कारोबारी सचिन जैन को गुरुग्राम पुलिस ने शारदा रोड से गिरफ्तार किया। आरोपित के खिलाफ 29 लाख की ठगी का मुकदमा दर्ज था। गुरुग्राम पुलिस ने आरोपित को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया।

गुरुग्राम के साइबर ईस्ट थाने के एएसआइ सत्यवान सिंह पुलिस टीम के साथ मेरठ पहुंचे। उन्होंने बताया कि आनंदपुरी निवासी सचिन जैन ने गुरुग्राम की एक महिला को ट्रेडिंग का झांसा देकर 29 लाख की साइबर ठगी की है। यह रकम सचिन जैन के खाते में ट्रांसफर कर निकाल ली गई है।

गुरुग्राम की पुलिस को सचिन जैन की लोकेशन ब्रह्मपुरी के शारदा रोड पर मिली है। यहां पर सचिन की दुकान है। गुरुग्राम पुलिस की टीम ने ब्रह्मपुरी पुलिस को साथ लेकर आरोपित सचिन जैन को गिरफ्तार कर लिया। उसके बाद सचिन को गुरुग्राम ले जाकर कोर्ट में पेश किया। वहां से अदालत ने जेल भेज दिया।

एएसआइ सत्यवान ने बताया कि इस साइबर ठगी में सचिन जैन के तीन साथी अभी फरार चल रहे है। उनकी धरपकड़ को टीम काम कर रही है। आरोपित सचिन जैन के बारे में पुलिस गहनता से जांच कर रही है। देखा जा रहा है कि सचिन जैन ने खाते से रकम निकाल कर किस कारोबार में लगाई है।

हंस रबड़ एंड स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड और हंस एक्सपोर्ट्स के कर्मचारी ने फर्म के ×.17 लाख रुपये हड़प लिए। फर्म मालिक डीएल मक्कड़ ने आरोपित के खिलाफ परतापुर थाने में एफआइआर करा दी है। आरोपित कर्मचारी को नौकरी से भी निकाल दिया गया। एल मक्कड़ ने पुलिस को बताया कि शास्त्रीनगर सेक्टर-3 निवासी ललित सहगल उनकी फर्म में एजेंट के रुप में कार्य करता था। विभिन्न फर्मों से माल सप्लाई का आर्डर लाने और भुगतान प्राप्त कर फर्म में जमा कराना उसका काम था।

आरोप है कि विभिन्न पार्टियों से ललित ने 3.17 लाख रुपये प्राप्त किए। लेकिन फर्म के खाते में जमा नहीं कराए। जब इन पार्टियों से संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि भुगतान ललित सहगल को दे दिया गया।

ललित सहगल ने 15 दिसंबर 2024 को लिखित में भुगतान प्राप्त करने और जल्द ही धनराशि फर्म में जमा कराने का आश्वासन दिया था। उसके बाद भी रकम जमा नहीं कराई गई। आरोप है कि नौकरी से निकालने के बाद भी वह विभिन्न पार्टियों से संपर्क कर रहा है। सीओ ब्रह्मपुरी सौम्या अस्थाना ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर मामले की विस्तार से जांच की जा रही है।

हाईवे पर मौत बनकर घूम रहे बेसहारा गोवंश, टकराकर बाइक सवार की मौत

बिधनू(कानपुर), एजेंसी। सड़कों पर घूम रहे बेसहारा गोवंश आये दिन राहगीरों की। मौत का कारण बन रहे हैं। ऐसे ही शुक्रवार देर रात बिधनू हड़हा गांव के पास हाईवे पर घूम रहे बेसहारा गोवंश से टकराकर बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के आठ घंटे बाद घायल गोवंश ने भी दम तोड़ दी।

अतवा मिर्जापुर निवासी किसान कैलाश का 30 वर्षीय बेटा अमित कुमार किसी काम से शुक्रवार शाम घाटमपुर गया हुआ था। देर रात करीब 12÷30 बजे वह बाइक से घर लौट रहा था। हड़हा गांव के पास हाईवे पर अचानक एक गोवंश सामने आ गई। जिसे टकराकर अमित हाईवे पर बाइक समेत सिर के बल गिर गया। हेलमेट निकल जाने की वजह से उसके सिर पर गंभीर चोंट आई। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। शनिवार सुबह करीब 8÷×0 बजे घायल गोवंश की भी मौत हो गई। थाना प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

चाय पिलाने के बहाने ले जाकर युवक को पीटा, ईंट से हमला कर किया अधमरा

लखनऊ, एजेंसी। हलवासिया चौराहे के पास चेरी ट्री कैफे के बाहर गुरुवार की देर रात कई युवकों ने एक युवक को बुरी तरह पीटा। साथ ही उसके ऊपर ईंट से हमला कर दिया। इसके बाद लहूलुहान हालत में युवक को छोड़कर आरोपित फरार हो गए। पास मौजूद लोगों ने सूचना पुलिस को दी।

मौके पर पहुंची हजरतगंज पुलिस ने युवक को अस्पताल भेजा। साथ ही मां की तहरीर पर 11 युवकों के खिलाफ जानलेवा हमला, मारपीट समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। अली की छोटी बहन आफरीन ने बताया कि रात करीब 10÷×0 बजे कुछ युवक घर आए थे। अली खाना खाने के लिए बैठा था तभी युवक उसे बहला-फुसला कर चाय पिलाने के बहाने ले गए।

मारपीट के बाद उन्हीं युवकों ने फोन कर जानकारी दी कि आपका बेटा अस्पताल में भर्ती है उसे देख लीजिए। आफरीन का आरोप है कि साजिश के तहत ही उसे घर से ले जाकर पीटा गया है। ट्रामा सेंटर में गंभीर हालत में अली का इलाज जारी है। पुलिस ने कुछ संदिग्धों को पकड़ा है।

पुलिस को दी तहरीर में राजेंद्र नगर निवासी मुमताज ने बताया कि उनके बेटे अली मोहम्मद के साथ चेरी ट्री कैफे के बाहर 12 से 15 लड़कों ने मारपीट की थी। आरोपितों ने उसे बेहोश हो जाने तक पीटा। साथ ही सिर पर ईंट से वार किए। जब युवक बेहोश हो गया तो उसे अधमरा छोड़कर भाग गए।

उन्होंने आदित्य रावत, सौरभ, शाकिब, वारिस, राज पाठक, सरताज, मुजीब, लकी, तौसीब, जउरे आदि के खिलाफ हजरतगंज कोतवाली में तहरीर दी है। मारपीट की यह घटना पास लगे सीसी कैमरे में भी कैद हुई है। इसकी एक फुटेज भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रही है। इंस्पेक्टर विक्रम सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपितों की तलाश की जा रही है।

आफरीन के मुताबिक मारपीट करने वाले युवक एक महीने पहले उसके घर पर भाई से मारपीट करने पहुंचे थे लेकिन मोहल्ले के लोग एकत्रित हो गए। इसके बाद लड़के मौके से चले गए। सहायक पुलिस आयुक्त हजरतगंज विकास जायसवाल ने बताया कि दोनों पक्षों पूर्व में विवाद हो चुका है। आरोपितों का पहले भी नाका पुलिस ने शांतिभंग में चालान किया था। रंजिश के चलते दोबारा मारपीट की गई है।

गोरखपुर में फिर चाइनीज मांझे में फंसी युवक की गर्दन, घायल; पहले भी हो चुके हैं हादसे

गोरखपुर, एजेंसी। सूरजकुंड के रहने वाले प्रसून त्रिपाठी की गर्दन चाइनीज मांझे में फंस गई। शुक्रवार की शाम वह तरंग ओवरब्रिज से हुमायूंपुर की तरफ जा रहे थे। मांझे के फंसते ही उन्होंने गाड़ी रोक दी और किसी तरह से उसे निकाला।

इससे उनके गर्दन के पिछले हिस्से में चोट आई। प्रसून ने कहा गाड़ी तेज रहती और रोकी नहीं होती तो उनका गला कट जाता। वर्ष 2017 से इस पर रोक है। इसके बाद भी बाजार में खुलेआम मांझा बिक रहा है।

30 जुलाई को चाइनीज मांझे से अमित गुप्ता का गला कट गया था। वह बाइक पर अपनी मां को लेकर जा रहे थे। तिवारीपुर थाना के सूरजकुंड ओवरब्रिज पर पहुंचे थे कि मांझा उनकी गर्दन में फंस गया। जिला अस्पताल लाने पर चिकित्सकों ने उन्हें मेडिकल कालेज रेफर कर दिया था।

लेकिन, स्वजन ने उन्हें खजांची चौराहे पर स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराए। जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद आपरेशन किया है। गंभीर हाल में उन्हें आइसीयू में रखा गया था। अभी उपचार चल ही रहा है। इस संबंध में स्वजन ने पुलिस और प्रशासन से मांझे की बिक्री पर रोक लगाने की मांग की थी।

शहर के राजघाट, कोतवाली, तिवारीपुर थाना क्षेत्र में स्थित दुकानों पर चाइनीज मांझा खुलेआम बिक रहा है। इसके अलावा अन्य थानों और ग्रामीण क्षेत्रों में भी इसकी बिक्री धड़ल्ले से हो रही है। बरेली और कानपुर से मंगवाकर पांडेयहाता, तुर्कमानपुर, जाफरा बाजार और नार्मल स्थित दुकानदार इसको बेच रहे हैं।

एनजीटी द्वारा चाइनीज मांझा पर वर्ष 2017 में पाबंदी लगाने के बाद कहा गया था कि इसे बेचने वालों के विरुद्ध एनवायरमेंट प्रोटेक्शन एक्ट पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। इस अधिनियम के तहत पांच वर्ष की सजा या एक लाख जुर्माना हो सकता है। सख्त कार्रवाई से ही इस पर पाबंदी लगायी जा सकती है। इसके बाद भी कार्रवाई नहीं की जा रही है।

स्वयं सहायता समूहों से खरीदे जाएंगे हर घर तिरंगा अभियान के लिए 2.60 करोड़ ध्वज

लखनऊ, एजेंसी। 'हर घर तिरंगा' अभियान के लिए 2.60 करोड़ तिरंगा खरीदने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। ये झंडे शहरी व ग्रामीण स्वयं सहायता समूहों से खरीदे जाएंगे। तिरंगा खरीद का प्रस्ताव गुरुवार को कैबिनेट द्वारा स्वीकृत किए जाने के बाद शुक्रवार को विभागों ने तिरंगा खरीदे जाने का आदेश जारी किया। पंचम रा'य वित्त आयोग के अनुदान से झंडे की खरीद पर 52 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। रा'य में हर घर तिरंगा अभियान 1× से 15 अगस्त तक चलेगा।

तिरंगा खरीदे जाने का आदेश जारी किए जाने की जानकारी देते हुए पंचायती राज विभाग के प्रमुख सचिव अनिल कुमार ने बताया है कि स्वयं सहायता समूहों तथा अन्य उत्पादन इकाइयों के माध्यम से उत्पादित झंडों की खरीद का भुगतान विभाग करेगा। दो करोड़ तिरंगा विभाग द्वारा खरीदे जाने हैं।

जिसके लिए 40 करोड़ रुपये रा'य वित्त आयोग के अनुदान से खर्च किया जाएगा। पंचायती राज निदेशालय द्वारा तिरंगा खरीदे जाने की धनराशि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन को उपलब्ध कराया जाएगा। नगर विकास विभाग शहरी आजीविका मिशन के तहत गठित स्वयं सहायता समूहों से खरीदेगा। ये झंडे घरों व दुकानों पर फहराने के लिए आम लोगों को दिए जाएंगे। जिसमें जनप्रतिनिधियों, छात्रों तथा नागरिक संगठनों का सक्रिय सहयोग लिया जा रहा है। अभियान के लिए 2.60 करोड़ तिरंगा खरीदे जा रहे हैं।

आम और संतरे के स्वाद वाली मिठाइयों ने लुभाया, ड्रायफ्रूट फज मन को भाया

गोरखपुर, एजेंसी। रक्षा बंधन पर मिठाई की दुकानों पर भीड़ उमड़ी। परंपरागत मिठाइयों के साथ-साथ ग्राहकों ने प्रीमियम (बेहतर गुणवत्ता) और ड्रायफ्रूट से बनी मिठाइयों की भी भरपूर मांग रही। मिक्स मिठाइयों ने लोगों को खूब लुभाया। आम, संतरा और बटर मिठाइयां भी लोगों ने खरीदीं। दुकानदारों ने बताया कि इस वर्ष लगभग 35-40 प्रतिशत अधिक बिक्री हुई है। दिनभर दुकानों पर ग्राहकों का ताता लगा रहा।

रक्षा बंधन को लेकर मिठाई विक्रेताओं ने पहले से ही तैयारी कर ली थी। पैडलेगंज स्थित आउटलेट, बेतियाहाता, शास्त्री चौराहा, गणेश चौक, सिनेमा रोड, गोरखनाथ, असुरन चौक, मोहद्दीपुर सहित अन्य जगहों पर दोपहर बाद से ही मिठाइयों की दुकानें सज गईं।

मिठाई कारोबारी देवा केसवानी ने बताया कि मिक्स मिठाइयों की मांग शुक्रवार को अधिक रही। बेसन के लड्डू, केसर बर्फी और काजू कतली भी लोगों ने खूब खरीदा। बेतियाहाता में मिठाई दुकानदार संजय कुमार ने बताया कि पेड़ा, काजू बर्फी से 'यादा अधिकांश लोगों ने मिक्स मिठाई खरीदने पर जोर दिया। एक ही पैकेट में विविधता होने से एक कीमत चुकाकर ग्राहकों ने काम चलाया। शास्त्री चौराहा पर मिठाई दुकान के कर्मचारी रोहित ने बताया कि बकलावा 14 सौ रुपये प्रति किलो की दर से बिका है।

मैंगो डिलाइट, आरेंज (संतरा) बाइट और बटर स्काच 1300 रुपये प्रति किलो तो लड्डू चार सौ से साढ़े छह सौ रुपये प्रति किलो के हिसाब से बिक रहा है। काजूनट, और चोकोनट की भी बिक्री हो रही है। उन्होंने बताया कि इस बार ग्राहकों ने शुद्ध देशी घी से बनी मिठाइयों को प्राथमिकता दी है। मिठाइयों की पैकिंग पर भी विशेष ध्यान दे रहे हैं। गिफ्ट पैक के रूप में आकर्षक पैकिंग वाले डिब्बों की मांग है।

ब्रांडेड आउटलेट के मैनेजर जितेंद्र ने बताया कि चाकलेट बर्फी, फ्यूजन मिठाइयां (गिलौरी बर्फी, अनारदाना रोल, और ड्रायफ्रूट फज) को हाथों-हाथ लिया है। उन्होंने बताया कि ड्रायफ्रूट फज को सूखे मेवों और चाकलेट से तैयार किया जाता है। गोलघर स्थित दुकान में ड्रायफ्रूट लड्डू और काजू कतली की जमकर बिक्री हुई। दुकानदारों का कहना है कि शनिवार को भी कारोबार तेज रहने की उम्मीद है।

संक्षिप्त समाचार

जिले में लंबित पेंशन प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए एक दिवसीय पेंशन शिविर संपन्न

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार जिले में लंबित पेंशन प्रकरणों की अधतन स्थिति की समीक्षा एवं त्वरित निराकरण सुनिश्चित किए जाने के उद्देश्य से बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में एक दिवसीय पेंशन शिविर का आयोजन किया गया। जिला पेंशन अधिकारी श्रीमती मीनाक्षी मधुसूदन डाहरे ने बताया कि जिले के समस्त विभागों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में उनके विभागीय स्तर पर लंबित पेंशन प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि अनेक प्रकरण विविध कारणों से लंबित हैं, जिनमें प्रमुख रूप से न्यायालयीन स्तर पर लंबित प्रकरण, विभागीय जांचाधीन प्रकरण, विभागीय स्तर पर प्रशासनिक कारणों से लंबित प्रकरण, लोकायुक्त द्वारा चिन्हित प्रकरण, तकनीकी त्रुटियों के कारण अटके प्रकरण सम्मिलित हैं। जिला पेंशन अधिकारी द्वारा समस्त विभागों को यह निर्देशित किया कि वे अपने-अपने विभागीय स्तर पर लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर परीक्षण कर तत्काल निस्तारण करें एवं ऐसे प्रकरणों को शीघ्रता से जिला पेंशन कार्यालय को प्रेषित करें, जिससे पात्र सेवा निवृत्त कर्मचारियों एवं उनके परिजनों को समयबद्ध पेंशन स्वीकृति एवं भुगतान सुनिश्चित किया जा सके।

निरीक्षण के दौरान अवैध क्लीनिकों को किया बंद

बैतूल (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े के निर्देश पर जिले में संचालित अवैध क्लीनिकों का जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश परिहार ने 5 अगस्त 2025 को निरीक्षण किया गया। इस दौरान विकासखंड भैंसदेही के अंतर्गत देशमुख क्लीनिक सांवलमेढ़ा, सरकार क्लीनिक उदामा, सरकार क्लीनिक ग्राम कुण्डी, धाड़से क्लीनिक ग्राम धाबा, मंडल क्लीनिक कोथलकुण्ड का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान डॉ राजेश परिहार द्वारा अवैध रूप से संचालित संचालकों, जिनके पास चिकित्सकीय दस्तावेज नहीं पाए गए तथा जिनका जिला कार्यालय में पंजीयन नहीं था उनके क्लीनिक तत्काल बंद किए गए। साथ ही क्लीनिक संचालकों को मध्यप्रदेश उपचार्यगृह तथा रूजोपचार अधिनियम अंतर्गत क्लीनिकों का पंजीयन करने तथा नियमानुसार संचालित करने के निर्देश दिए।क्लीनिक का पंजीयन नहीं पाये जाने पर दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। निरीक्षण के दौरान खंड विस्तार प्रशिक्षक भैंसदेही मौजूद रहे।

जिला पंचायत सीईओ ने ली पीएमएफएमई योजना के संबंध में बैठक

सीहोर (निप्र)। जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन की अध्यक्षता में (पीएमएफएमई) योजना के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन ने उद्यानिकी विभाग की लक्ष्य पूर्ति, उद्यमियों को मार्केटिंग एवं पैकेजिंग के लिए प्रशिक्षण, उत्पाद के लिए स्थानीय बाजार, मशीन खरीदने के लिए इंपैनल्ड वेंडर एवं नवीन उद्यमियों को मार्गदर्शन तथा सफल उद्यमियों को पीएमएफएमई के तहत एंबेसडर निर्धारित करने के संबंध में विस्तार से जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके साथ ही बैठक में जिला रिसोर्स पर्सन से बैंक में लोन स्वीकृति के लिए संबंधित दस्तावेजों के संबंध में चर्चा की गई।

कु.पुनीता को मिला आयुष्मान योजना का लाभ

बैतूल (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि कु.पुनीता पिता श्री प्रकाश डेहरिया उम्र 20 वर्ष निवासी राजेन्द्र वार्ड बैतूल को 19 जुलाई 2025 से सिर दर्द, बुखार से पीड़ित थी। कु.पुनीता को घर वालों ने बैतूल गंज स्थित प्रायवेट चिकित्सक को दिखाया और आराम नहीं मिला। पुनीता खाना भी नहीं खा रही थी। पुनीता की हालत लगातार बिगड़ते गई वह अजीब गतिविधि करने लगी थी, तब परिजनों ने पुनीता को 29 जुलाई 2025 को जिला चिकित्सालय बैतूल में उपचार के लिए लाया गया। पुनीता की हालत बहुत की गंभीर स्थिति में थी। हाथ-पैर पटक रही थी उसे असहनीय दर्द हो रहा था। तत्काल पुनीता को महिला मेडिकल वार्ड में भर्ती कराया गया। पुनीता के आवश्यक लैब परीक्षण एवं सिटीस्केन करवाई गई। परिक्षण में पुनीता को मेन्निजाईटिस पाया गया। मेडिकल विशेषज्ञ डॉ रोहित पराते की देखरेख में 29 जुलाई से 2 अगस्त 2025 तक जिला चिकित्सालय बैतूल में भर्ती रख पुनीता का उपचार किया गया। पुनीता को पूर्णतः स्वस्थ होने पर 2 अगस्त 2025 को छुट्टी दे दी गई। पुनीता ने बताया कि मेरा पूरा उपचार, जांच, सिटीस्केन आयुष्मान योजना के अंतर्गत निःशुल्क किया गया है। इसके लिए पुनीता के परिजनों ने पुनीता के स्वस्थ होने पर शासन का आभार व्यक्त किया है।

फॉर्च्यून सुपोषण परियोजना अंतर्गत विश्व स्तनपान सप्ताह का आयोजन हुआ

विदिशा (निप्र)। अडानी एग्रो बिजनेस लिमिटेड के सहयोग से संचालित अडानी फाउंडेशन द्वारा फॉर्च्यून सुपोषण परियोजना अंतर्गत ग्राम नागपिपरिया से प्रारंभ होकर 01 से 07 अगस्त 2025 तक विश्व स्तनपान सप्ताह का आयोजन किया गया।

इस आयोजन की अगुवाई महिला एवं बाल विकास विभाग की विदिशा की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता लोढ़ा कांसवा, के सक्षम मार्गदर्शन एवं अडानी फाउंडेशन की सुपोषण परियोजना अधिकारी श्रीमती अभिलाषा तिवारी के प्रभावी निर्देशन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।दोनों अधिकारियों के नेतृत्व में कार्यक्रम की समस्त गतिविधियाँ योजनाबद्ध, समन्वित एवं उद्देश्यपरक रूप से आयोजित की गईं, जिससे स्तनपान सप्ताह के संदेश को ग्रामीण समुदायों तक प्रभावी ढंग से पहुँचाया जा सका।यह आयोजन ग्राम नागपिपरिया से प्रारंभ होकर प्रतिदिन विभिन्न ग्रामों जैसे सुनपुरा, भाटनी, पायरवारा, सतपारा, करैया, हरिसिंह मूदरा, सोंठिया आदि में आयोजित होता रहा, जहां मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को लेकर महत्वपूर्ण गतिविधियाँ संपन्न हुईं।

कार्यक्रम की प्रमुख गतिविधियाँ

कार्यक्रम में जो प्रमुख गतिविधियों का आयोजन किया गया उनमें जागरूकता रैली, फोकस ग्रुप डिस्कशन, स्वास्थ्य जागरूकता सत्र, पोषण मेला, पारंपरिक अनाजों एवं टेक होम राशन की प्रदर्शनी शामिल रहीं।

इन गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य माताओं और नवजात शिशुओं के पोषण, स्तनपान के महत्व, तथा मातृ-शिशु स्वास्थ्य संबंधी ज्ञान को समुदाय स्तर पर प्रसारित करना रहा। कोलोस्ट्रम (पहले पीले गाढ़े दूध) के महत्व, 6 माह तक केवल स्तनपान, सही पकड़ की तकनीक, माताओं का पोषण, और बच्चों के समग्र देखभाल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा कर जागरूकता लाई गई। कार्यक्रम में कई वरिष्ठ अधिकारियों एवं विशेषज्ञों की सहभागिता रही, जिन्होंने आयोजन को गरिमा प्रदान की। डॉ. हिमानी यादव डिप्टी डायरेक्टर, चाइल्ड एंड न्यूट्रिशन, डॉ. शिखा तोमर राज्य स्तरीय नोडल अधिकारी,डॉ. विनिता राज्य स्तरीय नोडल अधिकारी, डॉ. बी.डी. शर्मा जिला टीकाकरण अधिकारी, डॉ. राकेश पंथी वरिष्ठ चिकित्सक, श्री बी.एस. दांगी जिला मीडिया प्रभारी श्री हुसैन खान डिविजनल कोऑर्डिनेटर, एविडेंस एक्शन इंडिया

अडानी फाउंडेशन की सक्रिय भूमिका

श्रीमती अभिलाषा तिवारी सुपोषण प्रोजेक्ट ऑफिसर, श्री गुन मालवीय, पूर्णिमा दुबे, नम्रता श्रीवास्तव असिस्टेंट सुपोषण अधिकारी, संगिनी दीदी टीम (36 सदस्य) जिसमें शामिल थीं।

शिवानी अहिरवार, वैशाली मालवीय, रजनी अहिरवार, हर्षिता, नंदिनी, पूजा राजपूत, भूरी अहिरवार, शालू, कामना, पूजा सोनी, अमीषा, अपर्णा, शिवानी, असरफी, शीतल, आकांक्षा, खुशी लोधी, उपासना किरार, सोना, कल्पवती, अंजना, सोनम प्रजापति, सोनम रैकवार, शिवानी अहिरवार, वैशाली अहिरवार आदि। यह टीम वर्तमान में 96 ग्रामों में सक्रिय रूप से कार्यरत है और महिला एवं बाल स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर जमीनी स्तर पर कार्य कर रही है।

स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की सहभागिता

इस आयोजन में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा सहयोगिनी, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, सहायक नर्स मिडवाइफ आदि ने भी उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई, जिससे कार्यक्रम को ग्रामीण स्तर पर व्यापक जनसमर्थन प्राप्त हुआ।

राज्य स्तरीय टीम का दौरा एवं निरीक्षण

इस अवसर पर राज्य स्तरीय टीम ने ग्रामों का दौरा कर गतिविधियों का अवलोकन किया और श्रीमती अभिलाषा तिवारी से कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। टीम ने परियोजना के उद्देश्यों, कार्यप्रणाली और प्रभावों की सराहना करते हुए इसे जनस्वास्थ्य एवं पोषण क्षेत्र में एक अनुकरणीय प्रयास बताया।

ग्राम सुनपुरा एवं भाटनी में भी सफल आयोजन

ग्राम सुनपुरा और भाटनी में भी स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें पोषण मेला, रैली, एवं सत्रों के माध्यम से सामुदायिक स्तर पर संदेश प्रसारित किया गया। इनमें मातृत्व एवं शिशु पोषण पर व्यापक चर्चा हुई, विशेष रूप से कोलोस्ट्रम की महत्ता, 6 माह तक केवल स्तनपान, बच्चों की स्तनपान पकड़ तकनीक, माताओं का आहार और स्वास्थ्य, शिशुओं की निगरानी और देखभाल के बारे में बताया। कार्यक्रम का समापन जागरूकता रैली के माध्यम से हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामवासी, स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं स्थानीय नेतृत्व ने भाग लिया।

वन स्टाप सेंटर एवं किशोर न्याय बोर्ड परिसर बैतूल में पंच-ज अभियान अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन

बैतूल (निप्र)। वन स्टाप सेंटर एवं किशोर न्याय बोर्ड परिसर बैतूल में पंच-ज अभियान अंतर्गत गुरुवार को आयोजित पौधारोपण कार्यकम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बैतूल श्री दिनेश चन्द्र थपलियाल द्वारा आम, अमरूद, जामुन, कटहल, अशोक तथा टिकोमा प्रजातियों के पौधे रोपित किये गये। इस अवसर पर अन्य न्यायाधीशों एवं अधिकारियों, बोर्ड के सदस्यों के द्वारा भी पौधे रोपित किये। इस प्रकार कुल 25 पौधे रोपित किये गये। पौधा रोपण कार्यकम में प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय-श्री शिवबालक साहू, जिला न्यायाधीश डॉ. कु. महजबीन खान, श्री सचिन कुमार घोष, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती संगीता भारती राठौर, सचिव जिला प्राधिकरण- श्रीमती शर्मिला बिलवार, जिला विधिक सहायता अधिकारी- श्री सोमनाथ राय, जिला कार्यकम अधिकारी, महिला बाल विकास विभाग- श्री गौतम अधिकारी एवं अन्य न्यायाधीशगण, जिला प्राधिकरण कर्मचारी, किशोर न्याय बोर्ड, कर्मचारी उपस्थित रहे। पौधा कार्यकम पश्चात् प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री दिनेश चन्द्र थपलियाल द्वारा वन स्टाप सेंटर, बाल संप्रेक्षण गृह एवं बाल कल्याण समिति का भी निरीक्षण कर संस्था के कार्यकलाप, सुविधाये तथा साफ सफाई व अन्य व्यवस्था का जायजा लिया। इस अवसर पर श्री गौतम अधिकारी एवं प्रशासक वन स्टाप सेंटर श्रीमती अनामिका तिवारी भी उपस्थित रहे।

डेंगू लार्वा सर्वे अभियान निरंतर जारी

विदिशा (निप्र)। ल के द्वारा विदिशा शहरी क्षेत्र टीलाखेड़ी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सघन लार्वा सर्वे, आईईसी गतिविधि, प्रचार-प्रसार, फॉगिंग दल के द्वारा कीटनाशक दवा का छिड़काव किया गया। मलेरिया टीम के द्वारा 296 घरों का सघन लार्वा सर्वे किया गया। जिसमें 9 घरों में लार्वा पाया गया। कीटनाशक दवा के द्वारा नष्ट कराया गया। जिला मलेरिया अधिकारी एवं क्षेत्रीय समन्वयक एम्बेड भोपाल के द्वारा मलेरिया लैब ,संजीवनी हॉस्पिटल ,एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अहमदपुर का निरीक्षण किया तथा आवश्यक सुझाव दिये। जनसमुदाय से अपील है की वह अपने घर के सभी पानी के कंटेनर, कूलर, फ्रिज ,गमले, टंकिया, टायर को प्रति सप्ताह जांच ले की एडीज मच्छर के लार्वा तो नही पनप रहे, व खाली कर सफाई कर दे। पानी के बड़े कंटेनर जिनकी सफाई व ढांकना संभव न हो तो उनमें मीठा तेल प्रति सप्ताह डालें। मच्छरों के काटने से स्वयं बचाव करे, पूरे शरीर ढकने वाले कपड़े पहने, दिन के समय बच्चों व वृद्धों को मच्छरदानी के अंदर सोने की सलाह दी जावे, मॉस्किटो कॉइल का उपयोग करे, शाम के समय नीम पत्तियों का धुआं करे। तेज बुखार, आंखों के पीछे दर्द, शरीर पर चकत्ते, मांसपेशियों में दर्द, जोड़ो में दर्द, नाक व मसूड़ों से रक्तस्राव होने पर तुरंत चिकित्सक से संपर्क कर डेंगू की जांच जिला चिकित्सालय विदिशाध्अटल बिहारी वाजपेयी मेडीकल कालेज में डेंगू एलाइजा टेस्ट निःशुल्क कराए। इस प्रकार जिले में डेंगू के संचरण के प्रसार को समाप्त या कम करने में सहयोग करें।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा विभिन्न मिष्ठान भण्डारो की कि गई जाँच

नर्मदापुरम (निप्र)। जिला प्रशासन के निर्देशन में लगातार त्योहारो को दृष्टीगत् रखते हुए खाद्य सुरक्षा प्रशासन नर्मदापुरम ने मंगलवार 05 अगस्त को तहसील सिवनी मालवा में विभिन्न मिष्ठान भण्डारो की जाँच की गयी। जिसमें मुख्यालय खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेन्द्र सिंह राणा द्वारा आमेदा स्वीट्स से मिल्क केक का नमूना, राहुल स्वीट्स से मिल्क केक, बादाम बर्फी, ओम राजस्थान मिष्ठान भण्डार बस स्टेण्ड बनापुरा, से मावा, मिल्क केक, मावा बर्फी, श्री राजस्थान स्वीट्स बनापुरा से मिल्क केक एवं बेसन लड्डू के नमूने जॉच हेतु लिए गए एवं खाद्य व्यवसायियों को साफ सफाई संबंधी निर्देश दिए गए।

क्षेत्रीय समन्वयक द्वारा किया गया स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन

विदिशा (निप्र)। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग तथा फैमिली हेल्थ इंडिया के तत्वाधान में गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के सहयोग व जिला मलेरिया अधिकारी डॉक्टर टीकाराम शर्मा के मार्गदर्शन में चल रही एम्बेड परियोजना के अंतर्गत माधवगंज स्थित मालवीय उद्यान में क्षेत्रीय समन्वयक एम्बेड डॉ संतोष भार्गव द्वारा स्वयं सेवकों का मार्गदर्शन किया गया।

डॉ. भार्गव ने बताया कि समुदाय को डेंगू मलेरिया एवं मच्छरों से होने वाली अन्य बीमारियों के प्रति जागरूक करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि डेंगू एक गंभीर बीमारी है जो संक्रमित एडीज मच्छरों के काटने से फैलती है, साथ ही उन्होंने डेंगू के लक्षण जैसे कि बुखार सिर दर्द मांसपेशियों में दर्द त्वचा पर लाल चकते बनना एवं लार्वा की जांच करने के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की।

चूँकि विदिशा जिला विगत वर्षो में डेंगू से अधिक प्रभावित रहा है अतः इस जागरूकता अभियान के माध्यम से, स्वयंसेवक लोगों को डेंगू से बचने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं और उन्हें स्वस्थ रहने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। शहर के उन क्षेत्रों को चिन्हित किया गया जिनमें विगत वर्षों में डेंगू का अधिक प्रकोप रहा है जिनमें टीलाखेड़ी, करैयाखेड़ा, मोहनगिरी, हरिपुरा प्रमुख हैं उन क्षेत्रों में एम्बेड स्वयंसेवकों के सहयोग से वाहक जनित बीमारियों के उन्मूलन की दिशा में कार्य कर रहा है।

पंचायत उन्नति सूचकांक के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाली जिले की 20 ग्राम पंचायतों को किया गया पुरस्कृत

सीहोर (निप्र)। पंचायतीराज मंत्रालय के निर्देशानुसार समग्र विकास के प्रदर्शन के मापक के रूप में पंचायत उन्नति सूचकांक PAI 1.0 का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस संबंध में जिला पंचायत सभाकक्ष में प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में PAI 1.0 (पंचायत उन्नति सूचकांक) के अंतर्गत 09 थीम में सर्वोच्च कार्य करने वाली जिले की 20 ग्राम पंचायतों को पुरस्कृत किया गया। इन 20 ग्राम पंचायतों में सबसे बेहतर प्रदर्शन ग्राम पंचायत मोगरा ने किया है।

इसके साथ ही कार्यक्रम में जिले की सभी ग्राम पंचायतों की रैंकिंग स्थिति पर भी थीमवार चर्चा की गई। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी प्रतिनिधि अपनी ग्राम पंचायतों को तेजी विकसित करने और राज्य स्तर पर और अधिक बेहतर प्रदर्शन करने के लिए बेहतर प्रशिक्षण प्राप्त करें, ताकि न सिर्फ पंचायत उन्नति सूचकांक के लक्ष्यों को पाया जा सके, बल्कि ग्राम पंचायतों को

विकसित भी किया जा सके। कार्यशाला में प्रशिक्षक द्वारा ग्राम पंचायतों के पंचायत सचिव और जीआरएस सहित अधिकारियों को PAI 2.0 पोर्टल पर जानकारी दर्ज करने और अपने ग्रामीण क्षेत्र को विकसित बनाने सबंधी अनेक बिंदुओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में ग्राम पंचायत मोगरा, सिद्दीकगंज, जोगला, बावरी, मुगली, रिठवाड़, गोपालपुर, जाफराबाद, खाड़ी, बकतरा, मेतवाड़ा, जैत, मैना, भोनरा, हाथीघाट, अकोला, बोरी, खोहा, धामंदा, होलीपुरा को पुरस्कृत किया गया। पुरस्कृत होने वाली पंचायतों में प्रथम 10 ग्राम पंचायतों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किया गया तथा 11 से 20 तक की रैंक वाली ग्राम पंचायतों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया।

क्या है पंचायत उन्नति सूचकांक : पंचायत उन्नति सूचकांक एक बहु-आयामी और बहु-क्षेत्रीय सूचकाक है, जिसका उपयोग पचायतों के समग्र, समावेशी विकास, प्रदर्शन और प्रगति का मूल्यांकन करने के लिए किया जाता है। यह सूचकांक पंचायत के अधिकार क्षेत्र में आने वाले स्थानीय समुदायों की समृद्धि और विकास की स्थिति को समझने के लिए विभिन्न सामाजिक-आर्थिक संकेतकों और मापदंडों पर केंद्रित होता है। आमतौर पर यह सूचकांक सड़क, बिजली, जलापूर्ति, स्वच्छता, स्वास्थ्य और शिक्षा, साक्षरता दर, विद्यालयों में नामांकन की स्थिति, आय स्तर, रोजगार के अवसर, कृषि उत्पादकता, स्थानीय आर्थिक गतिविधियाँ, गरीबी की दर, लैंगिक समानता, सामाजिक समावेशन, जीवन में समग्र गुणवत्ता, स्थानीय शासन की दक्षता और पारदर्शिता, सार्वजनिक सेवाओं की डिलीवरी और नागरिकों की भागीदारी, पर्यावरण संतुलन, संरक्षण तथा सतत विकास से संबंधित उपायों को शामिल करना आदि प्रमुख पहलुओं पर आधारित है।

ग्राम भारत-भारती में पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन

बैतूल (निप्र)। पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा 7 अगस्त को भारत-भारती ग्राम में पशु चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। पशुपालन एवं डेयरी उप संचालक डॉ. सुरजीत सिंग ने बताया कि शिविर में 29 बांझ पशुओं के उपचार के साथ 64 पशुओं के गर्भ परिक्षण, 5 पशुओं में कृत्रिम गर्भाधान, 13 पशुओं का सामान्य उपचार एवं 163 पशुओं के लिए औषधियों का वितरण किया। इसके अलावा विभिन्न रोगों की जांच के लिए 2 पशुओं के रक्त नमूने एवं 6 पशुओं के गोबर के नमूने एकत्र कर प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजे गए है। शिविर में लम्पी स्किन डिसीज, मुंहखुरी रोग एवं ब्रूसेलोसिस एवं अन्य संक्रामक रोगों की जानकारी दी गई एवं बचाव के उपायों पर चर्चा की गई। साथ ही शिविर में विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी देकर उनसे लाभ लेने के विषय में बताया गया। डॉ. सुरजीत सिंग ने बताया कि जिले के प्रत्येक विकासखंड में इस प्रकार के 4-4 शिविर आयोजित किए जाएंगे, जिसमें वरिष्ठ पशु चिकित्सक एवं विशेषज्ञ उपस्थित रहकर चिकित्सा कार्य संपादित करेंगे। शिविर में पशु प्रजनन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. चंचल मेश्राम, पशु चिकित्सक डॉ. यशपाल चौहान, डॉ. मनीषा सहसनानी, डॉ. सतीश नवडे के साथ श्री सुरेश वर्टी, श्री विनीत धुर्वे एवं श्री अजीत वाघमारे ने पशु चिकित्सा कार्य संपादित किए।

खाताधारक के खाता को सुरक्षित एवं चलायमान रखने के लिए ई के वाय सी बहुत जरूरी है : आर बी आई रीजनल हेड रेखा

विदिशा (निप्र)। नटेरन जनपद सभागृह में भारतीय स्टेट बैंक जन सुरक्षा कैंप लगाया गया जिसमे भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के क्षेत्रीय निदेशक सुश्री रेखा चंदनावेली तथा भारतीय स्टेट बैंक, भोपाल सर्किल, नेटवर्क-1 के महाप्रबंधक कुंदन ज्योति क्षेत्री महा प्रवंधक विनय कुमार एसडीएम अजय पटेल लीड बैंक प्रबंधक भगवान सिंह बघेल, श्री यशपाल रघुवंशी के अलावा अन्य अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के शुभारंभ में नटेरन ब्रांच के प्रबंधक मयंक द्विवेदी द्वारा पुष्प गुच्छ से स्वागत किया।

शिविर के दौरान रीजनल हेड सुश्री रेखा चंदनावली ने भारतीय रिजर्व बैंक का नियम है कि 10 साल बाद खाते को अपडेट किया जाता है अपडेट के लिए ईकेवायसी बहुत जरूरी और आवश्यक है अगर हम केवायसी नही करवाएंगे तो हमारा खाता असुरक्षित हो जाएगा 10 मिनिट की बहुत सिंपल प्रक्रिया है क्योस्क सेंटर पर पहुंचकर

केवायसी होना जरूरी है शासन द्वारा मिलने बाली हितग्राही मूलक योजनाओं का पैसा बिल्कुल बंद हो जाएगा ई के वाय सी होगा तब ही हमारा खाता सुरक्षित होगा। क्षेत्रीय महाप्रबंधक भोपल कुंदन ज्योति ने बताया कि जन सुरक्षा कैंप के द्वारा आपकी बैंक आपके द्वारा पहुंचकर आपके गांव में ही खाताधारको के खातों की ई के वाय सी का कार्य किया जा रहा है !यह बहुत आवश्यक है सभी खाता धारक से आग्रह है कि बैंक द्वारा 20 रुपए का बीमा आवश्यक रूप से करवाएं एवं 436 का जीवन ज्योति बीमा इन दोनो योजनाओं का लाभ अवश्य लें। महाप्रबंधक कुंदन ज्योति प्रधानमंत्री जन धन योजना के खातों को लगभग 10 वर्ष हो चुके है। आरबीआई के नियमानुसार 10 वर्ष के बाद खाते का अपडेट होना बहुत जरूरी है जिसके लिए ई के वाय सी करवाना आवश्यक है !इस अवसर पर अभिजीत अश्विनी कुमार रामू सिलावट शिवम सिंह प्रतीक गुप्ता क्योस्क संचालक रमाकांत तिवारी सतीश कुशवाहइन कैंपों का मुख्य उद्देश्य लोगों को सामाजिक सुरक्षा बीमा योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना तथा खातों में री-के.वाय.सी. एवं अप्रचलित खातों के के.वाय.सी. को अपडेट कर उन्हे प्रचिलित करने से संबंधित लाभ एवं महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराना है।

भारत-तिब्बत सीमा और बीएसएफ जवानों को बहनों ने बांधी राखी

पचोर में फौजी भाई बोले–सीमा पर बिताते हैं त्योहार, आज मन गदगद हो गया

सारंगपुर, निप्र। पचोर शहर के भोजपुरिया के आनंदनगर के रुद्राक्ष किड्स और हाइट्स स्कूल में शुक्रवार को रक्षा बंधन समारोह हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत ढोल-नगाड़ों की थाप और पुष्पवर्षा के साथ हुई। जवानों का आत्मीय स्वागत कर उन्हें मंच पर बिठाया गया। मुख्य अतिथि भाजपा नेता बनवारी सोनी ने सैनिकों के त्याग, अनुशासन और राष्ट्रसेवा की प्रेरणादायक बातें साझा कीं। उन्होंने कहा कि जवानों की वजह से ही देशवासी चैन की नींद सो पाते हैं।

फौजी बोले-बहनों से राखी बंधवाकर मन गदगद हो गया : फौजियों ने आयोजन को हृदयस्पर्शी बताया। उन्होंने कहा, ÷हम रक्षा बंधन का पर्व अक्सर सीमा पर ही बिताते हैं। आज अपने नगर में बहनों से राखी बंधवाकर मन गदगद हो गया।÷ स्कूल के बच्चों की बहनों ने मंच पर उपस्थित जवानों की कलाई पर राखियां बांधी। उन्होंने कहा, ÷आपकी बॉर्डर पर ड्यूटी की वजह से हम सुकून के पल जी पा रहे हैं। हम आपके ऋणी हैं।

सभी जवानों को स्मृति चिह्न भेंट कर किया गया सम्मानित : फौजी भाइयों ने वृक्षारोपण कर स्कूल का निरीक्षण कर सराहना की। इस दौरान स्कूली बच्चे, उनके परिजन, शिक्षक-शिक्षिकाएं और विद्यालय के संचालक प्रमोद सोनी, प्राचार्या निवेदिता श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे। आयोजन के अंत में सभी जवानों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

भारत–तिब्बत सीमा और बीएसएफ से जुड़े फौजी हुए शामिल

कार्यक्रम में भारत–तिब्बत सीमा और बीएसएफ से जुड़े फौजी जवान शामिल हुए। इनमें गोपालसिंह मीणा, रामकृष्ण यादव, नंदकिशोर यादव, गजराज सिंह गुर्जर, देव नारायण रुहेला, लखन सिंह रुहेला, गोविंद रुहेला, नरेश यादव, बाबूलाल रुहेला, संजय रुहेला, हिम्मत सिंह यादव, बलराम लोधी, बलराज सिंह, अंकित राजपूत व कृष्णपाल राजपूत सहित करीब डेढ़ दर्जन जवान उपस्थित थे।

श्रीराम- श्रीकृष्ण ने भी गुरुकुल में रहकर ली शिक्षा, गुरु-शिष्य परंपरा का दिया उदाहरण

राजगढ़/सुसनेर, निप्र। शासकीय स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय में गुरु शिष्य परंपरा और व्यास पूजा पर कार्यशाला आयोजित हुई। मुख्यवक्ता गोविंद वेदिया ने कहा कि श्रीराम और श्रीकृष्ण स्वयं भगवान के अवतार होते हुए भी गुरुओं की शरण में गए। उन्होंने जीवन को सार्थक बनाया। यह भारतीय गुरु शिष्य परंपरा का प्रतीक है। वेदिया ने अंग्रेजी शासन में लॉर्ड मैकाले द्वारा लागू शिक्षा पद्धति के दुष्परिणाम बताए। उन्होंने प्राचीन गुरुकुल शिक्षा प्रणाली की अवधारणाओं को उदाहरणों, श्लोकों और युक्तियों के माध्यम से समझाया। भारतीय शिक्षण मंडल के जिला सचिव डॉ. सुखदेव बैरागी ने कहा कि भारत में पहले ही कई उत्कृष्ट खोजें हो चुकी थीं। विदेशी अध्यताओं ने उनका गहन अध्ययन कर उन्हें अपने नाम से आविष्कार के रूप में दर्ज कराया। डॉ. जगदीश प्रसाद कुलमी ने भारतीय शिक्षण मंडल की स्थापना से लेकर अब तक की विकास यात्रा की जानकारी दी। उन्होंने इसके उद्देश्य भी बताए।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. जी. सी. गुप्ता ने की। कार्यशाला की शुरुआत मां सरस्वती और स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन और कर से हुई। संचालन कार्यशाला समन्वयक रमेश जमरा ने किया।

संक्षिप्त समाचार

आवश्यकता पर रात में पहुंचे जिला अस्पताल, प्रसूता के लिए दिया खून

राजगढ़ , निप्र। नियमित रक्तदान शिविर आयोजित नहीं होने के चलते जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में अक्सर खून की कमी रहती है। अभी वहां ए पॉजिटिव एवं एबी नेगेटिव समूह का रक्त नहीं है। बुधवार को अस्पताल में भर्ती दो प्रसुताओं को इसी समूह के रक्त की जरूरत पड़ी। इसकी सूचना जैसे ही मेड़तवाल रक्त, नेत्र मित्र एवं तिरंगा मित्र मंडल के पास सूचना पहुंची सदस्यों ने इस समूह के रक्तदाताओं से संपर्क किया। जिस पर रात करीब 11 बजे विशाल गुप्ता (मुनीमजी) जीरापुर, पवन विश्वकर्मा जीरापुर और देवराज तंवर राजगढ़ जिला अस्पताल पहुंचे और रक्तदान कर ज़रुरतमंद को खून उपलब्ध करवाया। तिरंगा मित्र मंडल एवं मेड़तवाल रक्त नेत्र मित्र समिति ने तीनों रक्तदाताओं का आभार जताया।

पर्व : ब्रह्माकुमारी बहनों ने बुजुर्गों और दिव्यांग बच्चों को बांधी राखी

राजगढ़ , निप्र। रक्षाबंधन पर्व को लेकर गुरुवार को ब्रह्माकुमारीज आश्रम से ब्रह्माकुमारी सुमित्रा बहन एवं ब्रह्माकुमारी दीपिका बहन जिला अस्पताल परिसर स्थित आशा धाम वृद्धा आश्रम पहुंची। यहां मौजूद बुजुर्गों को रक्षा सूत्र बांध उनके बेहतर स्वास्थ्य की कामना की। इस अवसर पर वृद्धा आश्रम के केयरटेकर विकास मेवाड़े सहित 20 वृद्धजन उपस्थित रहे। इसी दौरान प्रेम प्रगति स्कूल के 16 दिव्यांग बच्चों व सिस्टर टेसी सहित अन्य स्टाफ को राखी बांधकर मुख मीठा करवाया व उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

खदान धंसने से 18 वर्षीय युवक की मौत

राजगढ़/जामनेर जामनेर ग्राम बरखेड़ी डांग निवासी 18 वर्षीय युवक राहुल भील की खदान धंसने से दर्दनाक मौत हो गई। मृतक अपने साथियों समंदर और सोनू के साथ राकेश मीना की बजरी खदान पर मजदूरी करने गया था। बिना सुरक्षा साधनों के काम कराते वक्त खदान धंस गई, जिसमें राहुल दब गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। राकेश मीना जेसीबी लाने का कहकर ट्रैक्टर समेत फरार हो गया। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर पीएम कराया।

तेज रफ्तार कार चार बार पलटी, चालक की मौत, दो लोग घायल

ब्यावरा, निप्र। ब्यावरा के करनवास में एबी रोड पर गुरुवार देर रात एक ब्रेजा कार बेकाबू होकर पलट गई। हादसे में उत्तर प्रदेश के बांदा जिले के रामबाबू यादव की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार में सवार दो अन्य युवक सुमित रावत और राहुल सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों श्रद्धालु सावन में महाकालेश्वर मंदिर दर्शन के लिए उज्जैन जा रहे थे। रास्ते में अचानक उनकी कार बेकाबू होकर चार बार पलटी खा गई। दुर्घटनाग्रस्त कार का नंबर यूपी 32 एलएफ 1734 है। मृतक रामबाबू यादव बांदा जिले के गुधनी गांव के निवासी थे। घायल सुमित रावत (32), इंदिरा नगर थाना कोतवाली, बांदा और राहुल सिंह (32), ग्राम गौरी खुर्द थाना पैलानी, बांदा के रहने वाले हैं। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को ब्यावरा अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें भोपाल रेफर कर दिया गया। करनवास पुलिस मौके पर पहुंची और मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सभी बच्चे भारत माता की संतान, जाति नहीं शिक्षा पर ध्यान देना जरूरी: मंत्री टेटवाल

सारंगपुर, निप्र। सारंगपुर में ग्राम गुलावता में शुक्रवार को सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल में साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें राज्यमंत्री गौतम टेटवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। स्कूली बच्चों ने बेंड के साथ उनकी आगवानी की। यहां उन्होंने 65 छात्राओं को निःशुल्क साइकिलें वितरित कीं। यह योजना छात्राओं को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने और स्कूल आने-जाने की सुविधा देने के उद्देश्य से चलाई जा रही है।

मंत्री बोले- सभी स्टूडेंट्स को निःशुल्क ड्रेस, पुस्तकें दी जा रही : मंत्री टेटवाल ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में सरकार हर वर्ग को समान अवसर दे रही है। गुलावता में कक्षा 6वीं की 235 और 9वीं की 940 साइकिलें और भी वितरित की जानी हैं। हमारे विधानसभा क्षेत्र में कक्षा 1 से 8वीं तक करीब 15 हजार छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं और सभी को निःशुल्क ड्रेस, पुस्तकें और भोजन की सुविधा दी जा रही है।उन्होंने कहा कि कभी लगता है कि यह बच्चा भिलाला समाज से है, यह अहिरवार या जांगड़े का है, लेकिन सच्चाई यह है कि सभी बच्चे भारत माता की संतान हैं। हम सबको जात-पात से ऊपर उठकर सिर्फ शिक्षा और विकास की दिशा में सोचना चाहिए। शिक्षा से ही समाज और देश मजबूत होगा। इस दौरान भाजपा नेता निर्मल जैन, जनपद पंचायत अध्यक्ष देवनारायण नागर, मंडल अध्यक्ष पाड़ल्यामाता गिरवर भंडारी, मंडल अध्यक्ष संडावता विनोद पाटीदार, मंडल अध्यक्ष पढ़ाना शेखर शर्मा, मंडल अध्यक्ष सारंगपुर महेश पुष्पद, बीईओ सुरेश विरमाल, बीआरसी बीएल सूर्यवंशी, जनपद सीईओ हेमेंद्र गोविल, थाना प्रभारी आकांक्षा हाडा मौजूद रहे।

कार की टक्कर से 10 फीट दूर गिरा चालक, पेट्रोल पंप जाते समय हादसा

राजगढ़, निप्र। राजगढ़ में एक कार ने बाइक को टक्कर मार दी। दो पहिया वाहन चालक 10 फीट दूर जाकर फिका। उसके सिर और हाथ-पैर में चोट आई है। उसकी जान बच गई। घटना राजगढ़ के खिलचीपुर में 4 अगस्त की है। इसका आज वीडियो सामने आया है। सोमवार दोपहर करीब 1॰15 बजे स्क्षरूकार्यालय के पास श्रीनाथ पेट्रोल पंप के सामने हुआ। घटना का सीसीटीवी फुटेज शुक्रवार को सामने आया है। घायल युवक सागर सोनी (26) निवासी खिलचीपुर ने बताया कि वह किसी काम से स्क्षरूकार्यालय आया था। वहां से पेट्रोल भरवाने के लिए करीब 200 मीटर दूर स्थित श्रीनाथ पेट्रोल पंप जा रहा था। पंप के सामने डिवाइडर से जैसे ही उसने टर्न लिया, उसी दौरान तेज रफ्तार से आ रही सफेद रंग की कार ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि वह लगभग 10 फीट दूर उछलकर गिरा और बेहोश हो गया। कार चालक मौके से बिना रुके फरार हो गया। राहगीरों ने तत्काल सागर को अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद वह घर लौट आया। सिर में अभी भी दर्द बना हुआ है। डॉक्टर ने उसे बाहर चेकअप कराने की सलाह दी है। सागर ने शुक्रवार को खिलचीपुर थाने में मामले की शिकायत दर्ज कराई।

पार्षदों ने थाने में दिया आवेदन, पुलिस ने नगर-परिषद पहुंच शुरू की जांच

राजगढ़/सुसनेर, निप्र। नगर परिषद कार्यालय के स्टोर रूम से लाखों रुपये के एलईडी लेंप व अन्य सामग्री चोरी होने के मामले में गुरुवार की शाम को पार्षदों ने सुसनेर थाने पर पहुंचकर थाना प्रभारी केसर राजपूत को आवेदन देकर जांच और कार्रवाई की मांग की। गुरुवार को थाना प्रभारी ने नगर परिषद कार्यालय पहुंचकर के घटना स्थल का निरीक्षण किया और सीसीटीवी फुटेज खंगाले। ने का प्रयास किया। टीआई केसर राजपूत के अनुसार उनके द्वारा नगर परिषद के कर्मचारियों व अधिकारियों के बयान दर्ज किए जाएंगे, उसके बाद ही आगे की कार्यवाही की जाएगी। पार्षदों द्वारा थाने में दिये गए आवेदन में एलईडी लेंप चोरी होने के साथ ही नेशनल हाइवे से गायब हुए 2 स्वागत द्वार को लेकर भी जांच कर कार्रवाई करने मांग की गई है।

उदनखेड़ी में सजा राखी बाजार

राजगढ़/उदनखेड़ी, निप्र। नगर में रक्षाबंधन पर्व के चलते राखी बाजार सज गया है। बाजार में राखी की दुकानों पर काफी संख्या में गांव के साथ आसपास के लोग खरीददारी करने के लिए आ रहे है। गांव के हाट बाजार में राखी की दुकानें लगाई गई है। बाजार में कई तरह की राखियां बिक रही है। खासकर बच्चों से संबंधित राखियों की ज्यादा मांग है। बाजार में जिले के साथ दूसरे शहरों से मंगाई गई राखियों की ज्यादा खरीददारी हो रही है।

चलती ट्रेन में 55 लाख के जेवरात उड़ाने वाले गिरोह के दो चोर पकड़े

राजगढ़/ब्यावरा , निप्र। जीआरपी ब्यावरा ने ट्रेनों में सोने- चांदी के जेवरात चोरी करने वाला गिरोह दबोच लिया है। इस गिरोह ने 19 मई को राघोगढ़ से शाजापुर के बीच उज्जैन जा रहे दंपति के बैग से 55 लख रुपए के जेवरात चोरी कर लिए थे। जीआरपी ने आरोपियों से जेवरात भी बरामद किए हैं। यहां बता दें, फरियादी सत्यव्रत साहू पिता कमरलाल साहू उम्र 62 वर्ष निवासी वार्ड 5 लालापुरा राघौगढ़ जिला गुना ने जीआरपी को बताया 19 मई 2025 को पत्नी भारती साहू, छोटे बेटे केतन साहू के साथ बीना नागदा पैसेंजर ट्रेन में आगे से तीसरे डिब्बे में राघौगढ़ से उज्जैन की यात्रा कर रहे थे। ट्रेन चलने पर दोनों ट्राली बैग पहले केबिन में बीच में खड़े कर दिए थे और बैग को नीचे रख दिया था। पत्नी व बेटा ट्राली बैग के पास बैठ गए थे। सत्यव्रत साहू को सीट नहीं मिली थी। इससे वे पीछे के कैबिन में बैठ गए। ट्रेन चलने के बाद पत्नी से एक व्यक्ति बोला- आंटी आपके ट्राली बैग ऊपर सीट पर रख देता हूं। आप आराम से बैठ जाना। यह कहकर उसने दोनों ट्राली बैग ऊपर रख दिए। कुछ देर बाद 40-45 साल का एक व्यक्ति आया और ट्रॉली बैग वाली सीट पर बैठ गया। थोड़ी देर बाद 20-25 साल का युवक आया और ट्रॉली बैग के सामने की सीट पर बैठ गया था। यह दोनों 2-3 बार नीचे उतरे। शाजापुर रेलवे स्टेशन के बाद बैग के पास बैठे दोनों लोग नजर नहीं आए। बाद में मालूम चला था कि आरोपियों ने बाग से करीब 55 लख रुपए के जेबरात पर कर दिए थे। इनमें 150 ग्राम सोने का रानी हार, 80 ग्राम की सोने की 4 चूड़ी, 150 ग्राम के सोने के 3 हार, 30 ग्राम का सोने का बाजूबंद, 40 ग्राम सोने की 4 अंगूठी, सोने का मांग टीका आदि जेवरात थे।

चलती ट्रेन में ऐसे उड़ा देते हैं जेवरात आरोपी आमतौर पर ट्रेनों में जनरल कोच में यात्रा कर रहे यात्रियों को निशाना बनाते थे। वे स्वयं यात्री बनकर ऊपर की सीटों पर रखे बैग के पास बैठकर बेग, पेपर से आडकर चेन खोलकर सामान चोरी कर दोबारा उसी तरह ताला लगा देते हैं। आरोपियों को पकड़ने में थाना प्रभारी के अलावा हवलदार रविंद्र परते, मनोज चौधरी, इंदर सिंह (सायबर सेल), आरक्षक अभिषेक यादव (सायवर सेल) सतेंद्र जाट, राहुल जाट व जितेन्द्र यादव की भूमिका रही।

चोरी की पड़ताल के लिए एसपी रेल इंदौर संतोष कोरी द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनीषा पाठक सोनी, उप पुलिस अधीक्षक ज्योति शर्मा के मार्गदर्शन में जीआरपी थाना ब्यावरा प्रभारी गोपाल सिंह कनासिया के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया जाकर विवेचना को दौरान तकनीकी सहायता और मुखबिर सूचना पर दो आरोपियों को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया है। वारदात में शामिल अन्य सात आरोपियों और चोरी गए बाकी माल की तलाश की जा रही है।

जन शिक्षा केंद्र कन्या शाला से सेवानिवृत शिक्षकों को दी विदाई

राजगढ़/तलेन, निप्र। जन शिक्षा केंद्र कन्या शाला तलेन में सेवानिवृत्त हुए शिक्षक सिद्धू लाल लववंशी, प्रकाश नारायण सोनी और बलदेव सिंह राजपूत को शाल और श्रीफल के साथ सहसम्मान विदाई दी गई। कार्यक्रम में पीएमश्री विद्यालय के प्राचार्य अशोक कुमार पाटीदार, शासकीय हाई स्कूल कासरोद के प्राचार्य गोपाल कृष्ण यादव और कन्या हाई स्कूल तलेन की प्राचार्य उजमा सुल्तान मौजूद रहीं। शिक्षक नंदकिशोर यादव और आर.सी. जाटव ने भी विदाई दी। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक और शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

60 स्कूली छात्राओं ने 25 पुलिसकर्मियों को बांधी राखी, थाना परिसर का भ्रमण कराया

पुलिस व्यवस्था की जानकारी दी

ब्यावरा, निप्र। ब्यावरा में भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का प्रतीक, रक्षाबंधन का पर्व शुक्रवार को ब्यावरा सिटी थाना परिसर में बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया। इस मौके पर स्कूली छात्राओं ने पुलिस कर्मियों को राखी बांधकर उन्हें अपनी सुरक्षा का प्रतीक माना। स्कूल की करीब 60 छात्राओं ने थाना पहुंचकर थाना प्रभारी वीरेंद्र धाकड़ और अन्य पुलिस कर्मियों की कलाई पर राखी बांधी। छात्राओं ने पुलिस कर्मियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं तो वहीं पुलिस कर्मियों ने भी उन्हें आशीर्वाद और शुभकामनाएं दीं। इस दौरान करीब 25 पुलिस कर्मियों ने इन छात्राओं से राखी बंधवाई।

थाना परिसर का भ्रमण और जागरूकता

इस विशेष अवसर पर, थाना प्रभारी वीरेंद्र धाकड़ और उनकी टीम ने छात्राओं को पूरे थाना परिसर का भ्रमण कराया। उन्हें पुलिस की कार्यप्रणाली, विभिन्न विभागों और पुलिस व्यवस्था के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। छात्राओं को सुरक्षा और जागरूकता से संबंधित महत्वपूर्ण बातें भी बताई गईं। पुलिस कर्मियों को राखी बांधने के बाद, छात्राओं को उपहार भी दिए गए। इस कार्यक्रम में सब इंस्पेक्टर जगदीश गोयल, सुभाष द्विवेदी, राकेश दामले सहित अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। वहीं, छात्राओं में निकिता जाटव, साक्षी दांगी और स्नेहा साहू सहित स्टाफ के सदस्य भी शामिल थे। पुलिस और छात्राओं के बीच का यह अनूठा बंधन, सुरक्षा और विश्वास के रिश्ते को और मजबूत करता है।

फांसी के फंदे पर मिला 22 वर्षीय युवक का शव

ब्यावरा, निप्र। ब्यावरा के भगवा चौराहे के पास चांदनी बावड़ी में 22 वर्षीय युवक का शव फंदे पर लटका मिला। शुक्रवार सुबह मोहल्ले के राजा कुशवाह ने शव को दीवार से लटकता देखा और परिजनों को सूचना दी। सिटी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम कराया। मृतक की पहचान भगवा चौराहा निवासी लेखराम पुत्र रमेश कुशवाह के रूप में हुई है।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव उतारा और पंचनामा तैयार किया। सिटी थाना प्रभारी वीरेंद्र धाकड़ ने बताया कि शुरुआत जांच में मामला आत्महत्या का लग रहा है। युवक की मौत के कारणों की जांच की जा रही है। मृतक लेखराम अपने परिवार में पांच भाइयों में सबसे छोटा था। उसके पिता रमेश कुशवाह किसान हैं।

विद्यार्थियों को मोड़ी स्कूल में वितरित की 91 निशुल्क साइकिल

राजगढ़/सुसनेर, निप्र। मोडी स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष पिंकी राजपाल कलारिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में विद्यालय की 91 छात्राओं को निशुल्क साइकिलों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में राजपाल सिंह, ग्राम पंचायत मोडी के सरपंच घनश्याम बंसिया, संतोष चौधरी, मंडल उपाध्यक्ष दुर्गेश मीणा, लालसिंह भिलाला, कमल मीणा, किशोर राठौड़, कैलाश पंडित, भेरूलाल मीणा मनोहर सिंह रिछडिया प्रभु लाल ट्रेलर प्राचार्य गिरीराज बांसिया जनशिक्षक जगदीश बसिया व शिक्षक उपस्थित रहे।